दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 03, अंक 241 | ग्वालियर सोमवार 7 सितम्बर 2020 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य 01, रुपए, पृष्ठ 8

आईपीएल का पूरा शेड्यूल जारी

19 सितंबर को अबु धाबी में होगा आगाज

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2020 का पूरा शेड्यूल जारी कर दिया गया है। आईपीएल के 13वें सीजन का आरंभ 19 सितंबर को अबु धाबी में होगा। उद्घाटन मैच में पिछली बार की चैम्पियन मुंबई इंडियंस (एमआई) और उपविजेता चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में मुकाबला होगा। इसके बाद रविवार 20 सितंबर को दुबई में दिल्ली कैपिटल्स और किंग्स इलेवन पंजाब आमने सामने होंगे। सोमवार 21 सितंबर को सनराइजर्स हैदराबाद और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु दुबई में भिड़ंत होगी। मंगलवार 22 सितंबर को शारजाह में राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स में मुकाबला होगा। दुबई में आईपीएल के सबसे ज्यादा अधिक मैच खेले जाएंगे। अबु धाबी में 20 मैच और शारजाह में 12 मैच खेले जाएंगे। टूर्नामेंट 19 सितंबर से शुरू होकर 53 दिनों तक चलेगा। आईपीएल फाइनल 10 नवंबर को होगा। इस बार आईपीएल के 10 डबल हेडर (एक दिन में दो मैच) मुकाबले खेले जाएंगे। वहीं इस बार आयोजकों ने आईपीएल मैचों के नियमित समय से 30 मिनट आगे आने का निर्णय किया है। दिन के मुकाबले अब शाम 4 बजे की जगह दोपहर 3ः30 बजे से शुरू होंगे। शाम के मुकाबले 7ः30 बजे से खेले जाएंगे, जो कि पहले रात 8 बजे से होते थे।

10 दिन खेले जाएंगे 2-2 मैच

आईपीएल में 10 दिन दो-दो मैच खेले जाएंगे. आईपीएल के मैच यूएई में तीन जगह खेले जाएंगे. दुबई में 24 मैच, अबूधाबी में 20 और शारजहां में 12 मैच खेले जाएंगे. इस बार आईपीएल का फाइनल रविवार की जगह मंगलवार को होगा.

आधे घंटे पहले होंगे मैच

भारत में हर साल रात के मैच 8 बजे और दोपहर के 3.30 बजे शुरू होते थे. लेकिन इस बार आधे घंटे पहले यानी दोपहर के मैच 3.30 बजे और रात के मैच 7.30 बजे खेले जाएंगे कोरोना से खिलाड़ी और स्टाफ को सुरक्षित रखने के लिए कुल 20 हजार टेस्ट होंगे. हर खिलाड़ी और स्टाफ मेंबर्स का 5वें दिन टेस्ट किया जाएगा. टेस्टिंग के लिए 10 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है. अगर कोई खिलाड़ी पॉजिटिव आता है तो वह 7 दिन क्वारंटीन रहेगा. इस दौरान उसके तीन टेस्ट होंगे.

बढ़ेगी भारतीय सेना की ताकतः

जबलपुर में की गई टेस्टिंग में सफल हुई सारंग गन

बलपुर। भारत और चीन के बीच लद्दाख स्थित वास्तविक नियंत्रण रेखा पर लगातार जारी तनातनी के बीच भारतीय सेना के लिए और देश के रक्षा क्षेत्र के लिए एक अच्छी खबर सामने आई. कुछ महीने पूर्व ही मध्य प्रदेश के जबलपुर के एलपीआर रेंज में चल रही देश की सबसे बड़ी और ताकतवर 155 एमएम सारंग गन की टेस्टिंग सफल हो गई है. जबलपुर के एलपीआर रेंज में इन उन्नत तोपों का परीक्षण लंबे समय से किया जा रहा था. खास बात यह है कि जबलपुर की गन कैरिज फैक्ट्री और व्हीकल फैक्ट्री में इन तोपों के अपग्रेडेशन का काम चल रहा है. आने वाले 3 सालों में 300 सारंग तोप भारतीय सेना को सौंपी जानी है. पहली खेप में 7 सारंग लगभग पूरी तरीके से सफल पाई गई हैं. इस सिलसिले में सेना के अफसरों ने इस ताकतवर तोप की बेजोड़ ताकत को भी देखा है. एलपीआर रेंज में जब इसका परीक्षण किया गया तो यह हर मानकों में सफल हुई है. गौरतलब है कि देश की सेना सारंग को अपने बेड़े में शामिल करने बेसब्री से इंतजार कर रही है. इससे सेना की ताकत बढ़ जाएगी सेना को उन्नत सारंग तोप सौंपने से पहले इसका डीजीक्यूए ने गुणवत्ता नियंत्रण परीक्षण और फायरिंग भी की है. परीक्षण में यह सभी मानकों पर खरी उतरी है और सारंग गन ने अपने परीक्षण के दौरान निर्धारित लक्ष्य भी हासिल किए हैं. फैक्ट्री के पीआरओ संजय श्रीवास्तव ने बताया कि एक सादे समारोह में कर्नल एके गुप्ता एसक्यूएल जबलपुर एवं राजेश चौधरी महाप्रबंधक जीसीएफ ने ब्रिगेडियर आई एम सिंह एवं ब्रिगेडियर जे कार की उपस्थिति में सारंग तोप का निरीक्षण नोट सौंपा. इंस्पेक्शन नोट सौंपने के मौके पर सैन्य अधिकारियों और फैक्टरी प्रबंधन में खासा उत्साह नजर आया.

महाराष्ट्र के सीएम उद्धव ठाकरे के घर को उड़ाने की धमकी, दुबई से आए चार कॉल, सुरक्षा कड़ी

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के घर मातोश्री को उड़ाने की धमकी दी गई है. शनिवार रात को मातोश्री के लैंडलाइन पर चार कॉल आए. धमकी देने वाले ने खुद को दाउद गैंग का सदस्य बताया है. जानकारी के अनुसार, कल रात 11 बजे दुबई से 4 कॉल किए गए. इस कॉल के बाद मातोश्री और ठाकरे परिवार की सुरक्षा बढ़ा दी गई है. इस मामले की जांच मुंबई पुलिस की दो एजेंसियां कर रही हैं. वहीं, मुम्बई क्राइम ब्रांच के मुताबिक रात को 2 कॉल दुबई से मातोश्री में आया था. कॉल करने वाले ने कहा कि दाऊद भाई सीएम से बात करना चाहते हैं, इसलिए कॉल ट्रांसफर करने के लिए बोल रहा था, लेकिन ऑपरेटर ने ऐसा नहीं किया.

सुशांत सिंह मामले में

एनसीबी ऑफिस के बाहर रिया से धक्कामुक्की, फूटा सेलेब्स का गुस्सा

मुंबई। सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) से समन मिलने के बाद रिया चक्रवर्ती रविवार दोपहर विभाग के दफ्तर पहुंचीं थीं. जहां बड़ी संख्या में मौजूद मीडियाकर्मियों की भीड़ ने उन्हें घेर लिया. जिसके बाद पुलिस ने भारी धक्कामुक्की के बीच उन्हें कड़ी सुरक्षा के साथ ऑफिस के अंदर पहुंचाया. उनके साथ हुए इस व्यवहार को देखकर कई बॉलीवुड सेलेब्स ने नाराजगी जताई. रिया के एनसीबी दफ्तर पहुंचने का जो वीडियो सामने आया है, उसमें मीडियाकर्मियों की भारी धक्कामुक्की के बीच पुलिसकर्मी उन्हें जैसे-तैसे ऑफिस के अंदर ले जाते नजर आ रहे हैं. इसी वीडियो को सेलेब्स ने शेयर करते हुए अपनी चिंता जताई. परेश रावल ने पूछा, मीडिया है कि भेडिया? तापसी पन्नू ने उसी वीडियो को शेयर कर लिखा, न्याय के नाम पर इन लोगों ने दोषी साबित होने से पहले ही एक इंसान को जीने के अधिकार से वंचित कर दिया. मैं ईमानदारी से प्रार्थना करती हूं कि कर्म उस हर एक शख्स का पता लगाकर उसका हिसाब करेगा, जो मानवजाति को इतना नीचा गिराने के जिम्मेदार हैं, जिसके गवाह हम बने हैं दीया मिर्जा ने वीडियो के साथ लिखा, कानून को इस बारे में जरूर कदम उठाना चाहिए. ये व्यवहार हर तरह से निंदनीय है. बहुत हुआ, रिया को जाने के लिए रास्ता और फिजिकल डिस्टेंसिंग का अधिकार क्यों नहीं दिया गया? मीडिया गिद्धों की तरह व्यवहार क्यों कर रही है? कृपया कृपया उसे जगह दें. उसे और उसके परिवार पर हमला करना बंद करें.

मानसून सत्र से पहले चीन के मसले पर सर्वदलीय बैठक बुलाना चाहती है मोदी सरकार!

नई दिल्ली। संसद का मानसून सत्र 14 सितंबर से होने जा रहा है। इस बार संसद में चीन का मुद्दा छाए रहने की पूरी उम्मीद है। विपक्ष इस मसले पर सरकार पर तीखे सवाल करने की तैयारी में है। सूत्रों के अनुसार, मोदी सरकार इस संवेदनशील मामले में संसद में बहस से पहले आम राय बनाने की कोशिश कर सकती है। इसके तहत सर्वदलीय मीटिंग बुलाने के प्रस्ताव पर भी विचार किया जा रहा है। इसमें विपक्ष को सरकार एलएसी पर मौजूदा स्थिति के बारे में बता सकती है। सरकार के सीनियर अधिकारी के अनुसार, एलएसी पर हालात अभी संवेदनशील हैं और पल-पल हालात बदलते रहते हैं,ऐसे में संसद में सभी चीजों पर सार्वजनिक बात करना उचित नहीं होगा। सूत्रों के अनुसार, इसके लिए सरकार अगले एक-दो दिनों में विपक्षी नेताओं से संपर्क कर सकती है। मालूम हो कि इससे पहले एलएएसी पर भारत-चीन सेनाओं के बीच हुए हिंसक झड़क के बाद भी पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सर्वदलीय मीटिंग बुलाई थी। उस सर्वदलीय मीटिंग में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि न वहां कोई हमारी सीमा में घुसा हुआ है, न ही हमारी कोई पोस्ट किसी दूसरे के कब्जे में है। उन्होंने कहा कि लद्दाख में हमारे 20 जांबाज शहीद हुए, लेकिन जिन्होंने भारत माता की तरफ आंख उठाकर देखा था, उन्हें सबक सिखा गया।

बाल-बाल बचे पूर्व सीएम चंद्रबाबू नायडू

नई दिल्ली। तेलुगू देशम पार्टी अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू उस वक्त बाल-बाल बच गए जब उनके काफिले की ही गाड़ियां आपस में टकरा गई। पुलिस ने बताया कि यह घटना तेलंगाना के यदाद्रि भोनगीर जिले की है। इस एक्सीडेंट में न`शनल सिक्योरिटी गार्ड एनएसजी के तीन जवान घायल हुए हैं जबकि काफिल में चल रही बुलेट प्रूफ गाड़ी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुई है।यह हादसा उस वक्त हुआ जब चंद्रबाबू नायडू हैदराबाद से अमरावती स्थित अपने आवास पर काफिले से लौट रहे थे। इस दौरान विजयवाड़ा-हैदराबाद नेशनल हाइवे एनएच-65 पर चौटुप्पल ब्लॉक के डांडुमलकापुरम गांव के पास यह घटना घटी। चौटुप्पल पुलिस इंस्पेक्टर वेंकन्ना ने कहा, नायडू सात गाड़ियों के काफिले में यात्रा कर रहे थे। इनमें से तीन उनके आगे और तीन पीछे चल रही थी।

कांग्रेस में बदलाव की बात करने वालों पर हाईकमान सख्त,

राजबब्बर व जितिन हुए चुनावी समितियों से बाहर

नई दिल्ली. कांग्रेस में बदलाव के साथ अध्यक्ष पद के लिए चुनाव कराने की मांग के पक्ष में पत्र लिखने वाले 23 नेताओं पर पार्टी हाईकमान के तेवर ढीले पडऩे के कोई संकेत नहीं हैं. उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की घोषित समितियों में पूर्व केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद और राजबब्बर को जगह नहीं दिया जाना इसका साफ सबूत है. चुनाव से जुड़ी सात अहम समितियों का कांग्रेस ने रविवार को एलान किया मगर इसमें से किसी में भी जितिन और राजबब्बर को नहीं रखा गया है. उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की राजनीतिक का संचालन पूरी तरह पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के हाथों में है. जाहिर तौर पर चुनाव से जुड़ी किसी समिति की अगुआई का मौका देना तो दूर जितिन और बब्बर को बतौर सदस्य भी नहीं रखा जाना सीधे हाईकमान की नाराजगी को दर्शाता है, जबकि पत्र विवाद आने से पूर्व तक जितिन प्रसाद उत्तरप्रदेश में कांग्रेस महासचिव के भरोसेमंद चेहरों में शामिल रहे थे सूबे में ब्राह्मण समुदाय को पार्टी से जोडऩे की रणनीति को आगे बढ़ाने का जिम्मा भी उन्हीं पर था. हालांकि पत्र विवाद सामने आने के बाद हाईकमान के रुख को देखते हुए जितिन प्रसाद ने स्पष्टीकरण भी दिया था कि पार्टी में सुधार की उनकी बातों को कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व और गांधी परिवार के खिलाफ नहीं देखा जाना चाहिए. उत्तरप्रदेश कांग्रेस की चुनावी टीम का हिस्सा बनने में जितिन की यह सफाई काम नहीं आयी है. जबकि हाईकमान ने जितिन और बब्बर को बाहर करने के साथ गुलाम नबी आजाद से लेकर आनंद शर्मा के खिलाफ मुखर बयान देने वाले प्रदेश के वरिष्ठ नेता निर्मल खत्री को चुनावी टीम में जगह देकर यह संदेश दे दिया है कि शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ किसी तरह के विरोध का स्वर बर्दास्त नहीं किया जाएगा.

राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर राज्यपालों के सम्मेलन को वीडियो कांफ्रेसिंग से राष्ट्रपति, पीएम करेंगे संबोधित

नई दिल्ली। देश में हाल ही लागू नई शिक्षा नीति को लेकर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को राज्यपालों के सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर जारी एक बयान के मुताबिक शिक्षा मंत्रालय की ओर से आयोजित इस सम्मेलन में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से शामिल होंगे। सम्मेलन का विषय 'उच्च शिक्षा के बदलाव में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भूमिका' रखा गया है। राज्यपालों के इस सम्मेलन में सभी राज्यों के शिक्षा मंत्री, राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपति और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल होंगे। बयान में कहा गया, 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 इक्कीसवीं सदी की पहली शिक्षा नीति है, जिसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 के 34 वर्ष बाद घोषित किया गया है। नई शिक्षा नीति को स्कूल और उच्च शिक्षा स्तर दोनों में बड़े सुधारों के लिए लाया गया है।

देश में कोरोना के मामले 41 लाख के पार

नई दिल्ली। भारत में कोरोना वायरस का संक्रमण थमने का नाम नहीं ले रहा है। बीते 24 घंटे में हर सेकेंड में एक से अधिक नए पॉजिटिव केस सामने आए हैं। इसके साथ ही देश में कोरोना के कुल मामले 41 लाख के पार कर गए हैं। राहत की बात यह है कि बीते 24 घंटे में रिकॉर्ड 70 हजार से अधिक मरीज या तो स्वस्थ हुए या फिर उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, देश में 24 घंटे में कोरोना के रिकॉर्ड 90,633 नए मामले सामने आए। वहीं कुल 1065 मौतें दर्ज की गईं। इसके साथ ही कुल मामलों की संख्या 41,13,812 हो गई है। केंद्र सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, भारत में कोरोना के कुल 8,62,320 सक्रिय मामले हैं। साथ ही 31,80,866 मरीज या तो स्वस्थ हो चुके हैं या फिर उन्हें अस्पताल से छुट्टी दी जा चुकी है। भारत में कोरोना महामारी से अब तक 70,626 मरीजों की जान चली गई है। आपको बता दें कि 40 लाख से अधिक मामलों के साथ भारत कल ही पूरे विश्व में दूसरे स्थान के करीब पहुंच गया। संक्रमण के मामले में अमेरिका पहले और ब्राजील दूसरे स्थान पर है। वैश्विक महाशक्ति माने जाने वाले अमेरिका में कोरोना से संक्रमित होने वालों की संख्या 61 लाख को पार कर 6149289 पर पहुंच गई है और अब तक 186786 लोगों की इससे जान जा चुकी है।

भाजपा की बैठक में उप चुनाव पर मंथनः मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की दो टूक

यह जलवा रुतबा तभी तक, जब तक सरकार है, इसलिए काम करें

भोपाल। मध्यप्रदेश में होने वाले उप चुनाव में सभी 27 सीटों को जीतने के लिए भाजपा में मंथन शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित बैठक में सभी से दो टूक कहते हुए कहा कि हर हाल में रिजल्ट 100त्न ही चाहिए है। सभी लोग सबकुछ छोड़कर उप चुनाव के मैदान में उतर जाएं। सभी 27 की 27 सीटें जीतना है। उन्होंने कहा कि यह जलवा और रुतबा तभी तक है, जब तक सरकार है। उन्होंने यह निशाना असंतुष्ट चल रहे विधायक, सांसद और मंत्रियों पर साधा। इसमें शिवराज के अलावा वीडी शर्मा और कई मंत्री, विधायक और सांसद भी शामिल हुए। बीजेपी की बैठक में एक बार फिर एकजुटता और समन्वय का संदेश दिया गया। शिवराज ने विधायक, सांसद और मंत्रियों को नाराजगी भूलकर उप चुनाव में पूरा जोर लगाने की बात कही। जनता के बीच जाना है। कार्यकर्ताओं से पूरा संवाद बना रहे। जनहित से जुड़े मुद्दे हर हाल में पूरे किए जाएं। आम लोगों को केंद्र में रखें। किसी भी कीमत पर हमें एक भी सीट नहीं जाने देना है। इसके लिए सभी को एकजुट होकर मेहनत करनी होगी।शिवराज ने पार्टी पदाधिकारियों को भी नसीहत दी। उन्होंने कहा कि केवल लेटर पैड छपवाकर नामधारी नहीं बनना है। सिर्फ माला नहीं पहनना है। काम करना है। हमें लोगों के बीच कल्याण के काम लेकर जाना है। चौपाल लगाना है। हमारे पास अभी हर गांव में चौपाल लगाने का समय है। इसके जरिए हम घरोपा कर सकते हैं। हर विधायक, सांसद और मंत्री काम करें। हर मोर्चे का उपयोग करें। हम आपको सभी संगठनों की लिस्ट भी देंगे। उनसे संपर्क करिए। सोशल मीडिया का उपयोग करें। कांग्रेस के घपले गिनाएं।

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका,ऑनलाइन न्यूज़ चैनल,पोर्टल,एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ / रिपोर्ट्स

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यो के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है।

संपर्क करें

कार्यालय : ए ब्लॉक,404 भाऊ साहब पोतनीस एंक्लेव,गोले का मंदिर ग्वालियर मध्यप्रदेश मो. 8269307478,7999246560

Website - www.pushpanjalitoday.com,
Email - pushpanjalitoday@gmail.com

मेयर चंद्र मोहन गुप्ता पर कांग्रेसी ने लगाए मंदिर भूमि हड़पने के आरोप

कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन कर जताया रोष, प्रदेश कांग्रेस पार्टी ने उच्च स्तरीय जांच की मांग की।

जम्मू(अमित)। कांग्रेस ने आज ऐतिहासिक रूप से ऐतिहासिक पंचवक्त्र महादेव मंदिर भूमि मुद्दे को मंदिर परिसर में धरने में शामिल किया और जिला एवं सत्र न्यायाधीश, (सेवानिवृत्त) सुरेश शर्मा के नेतृत्व में मंदिर के प्रबंधन को पूर्ण समर्थन दिया। इसके लिए उच्च स तरीय जांच और इसके पीछे के सभी लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और महापौर जेएमसी चंदर मोहन गुप्ता के तत्काल इस्तीफे की मांग की जम्मू के नगर निगम (JMC) के मेयर को तत्काल बर्खास्त करने की मांग करते हुए चंदर मोहन गुप्ता और अन्य लोगों ने शनिवार को जम्मू के प्राचीन और ऐतिहासिक मंदिर की कुछ जमीन हड़पने का सौदा किया, जिससे कुछ निजी खिलाड़ियों को लाभ मिला। जम्मू शहर के सबसे बड़े भूमि घोटाले में शामिल सभी लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की। भाजपा ने जेएमसी के नेतृत्व में जिस तरह से देश के अनूठे मंदिरों में से एक की जमीन हड़पने की साजिश रची है, उसने खुलासा किया है कि भगवा ब्रिगेड का एकमात्र उद्देश्य धार्मिक मुद्दों पर वोट बैंक की राजनीति के अलावा सभी गैरकानूनी माध्यमों से धन हासिल करना है, जबकि कांग्रेस के नेता आज यहां पीसीसी हक में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, वरिष्ठ नेताओं ने मंदिर परिसर में जज सुरेश शर्मा और अन्य प्रमुख नागरिकों के

साथ, पीसीसी नेताओं सहित रमन भल्ला पूर्व मंत्री और उपाध्यक्ष, श्री रविन्द्र शर्मा के मुख्य प्रवक्ता जेकेपीसीसी में धरना दिया। , योगेश साहनी पूर्व मंत्री और प्रभारी डीसीसी जम्मू, रितु चौधरी स्थानीय नगरसेवक, गौरव चोपड़ा, नीरज गुप्ता मीडिया सचिव पीसीसी और सुरेश डोगरा अध्यक्ष ओबीसी के अलावा अन्य लोगों ने भाजपा के महापौर के तत्काल इस्तीफे की मांग की कांग्रेस नेताओं ने कहा कि घोटाले के उजागर होने से न केवल भाजपा नेतृत्व का असली चेहरा उजागर हुआ है, इस घटना ने लोगों की धार्मिक भावनाओं को भी आहत किया है क्योंकि पंचवक्त्र महादेव मंदिर जम्मू प्रांत का सबसे प्रतिष्ठित मंदिर है। इस जमीन घोटाले के उजागर होने के बाद स्वघोषित हिंदुत्ववादी नेताओं का पर्दाफाश हो गया है। कांग्रेस ने कहा कि सेवानिवृत्त जिला और सत्र न्यायाधीश, सुरेश कुमार शर्मा, जो मंदिर के कार्यवाहक हैं, को संयमित रहने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाने के लिए मजबूर होना पड़ा। भाजपा ने जेएमसी का नेतृत्व पंचवक्त्र महादेव मंदिर की जमीन का एक बड़ा हिस्सा हड़पने से किया, जिसकी कीमत करोड़ों में है। 12-12-2008 को उच्च न्यायालय द्वारा सुरेश शर्मा को इस मंदिर के कार्यवाहक के रूप में नियुक्त किए जाने की वजह से उनकी ईमानदारी और विश्वसनीयता के कारण यह सब हो रहा है क्योंकि भू-माफिया बार-बार इस मंदिर की भूमि को हथियाने की कोशिश कर रहे हैं, जो दिल के बीच में स्थित है। उन्होंने कहा, ÷जेएमसी मामलों का प्रबंधन करने वाले भाजपा नेताओं ने पार्किंग स्थल और व्यावसायिक परिसर के निर्माण के नाम पर मंदिर की जमीन हड़पने के लिए प्रभावशाली भू-माफिया से हाथ मिलाया है। कोर्ट में सेवानिवृत्त जज सुरेश शर्मा द्वारा दायर याचिका का हवाला देते हुए, कांग्रेस नेताओं ने कहा कि जेएमसी अवैध रूप से प्रधान भूमि के टुकड़े पर अपना दावा ठोक रहा है, इस तथ्य के बावजूद कि इस जमीन पर जेएमसी का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा ÷जेएमसी के नापाक डिजाइन ने आम जनता और विशेष रूप से भक्तों की भावनाओं को जगाया है।

मारपीट,बिजली चोरी व चेक बाउंस के मामले में फरार चल रहे तीन स्थाई वारंटी गिरफ्तार...

केशब पडित जी अम्बाह...

जौरा। अनुराग सुजानिया एसपी मुरैना के निर्देशन मे चलाए जा रहे स्थाई वारंटीयों के धरपकड़ अभियान के अंतर्गत तीन अलग-अलग मामलों में फरार चल रहे स्थाई वारंटीयों को जौरा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है अनुविभागीय पुलिस अधिकारी सुजीत सिंह भदोरिया के निर्देशन में स्थानीय पुलिस ने न्यायालय में चल रहे चेक बाउंस एवं एक अन्य मामले में बीते 3 साल से फरार स्थाई वारंटी रामकुमार पुत्र हरि बल्लभ शर्मा निवासी निधान हाल निवासी जेल रोड पुलिया के पास जौरा को गिरफ्तार किया है वही बिजली चोरी के मामले में फरार चल रहे एक अन्य स्थाई वारंटी रघुनाथ पुत्र रामनाथ सिंह गुर्जर नि.रामनगर इस्लामपुरा जौरा सहित रामओतार पुत्र देवीलाल शाक्य नि.माधवनगर सिंघलपुरा जौरा को भी गिरफ्तार किया गया है राम अवतार मारपीट के मामले में स्थाई वारंटी होकर फरार चल रहा था इस कार्यवाही में थाना प्रभारी देवेन्द्र सिंह कुशवाह व उनकी टीम शामिल थी

अम्बाह मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ द्वारा शिक्षको ने बैठक आयोजित...

सुनील तोमर अम्बाह...

अम्बाह। दिनांक 05-09-2020 को म.प्र.राज्य कर्मचारी संघ तहसील एवं ब्लॉक इकाई अम्बाह की मासिक बैठक का आयोजन पी.एच.ई. प्रागंण अम्बाह में सुबह 9 बजे रखी गई बैठक की अध्यक्षता नीलेश शर्मा तहसील अध्यक्ष अम्बाह ने की जिसमें जिला उपाध्यक्ष श्री शिवचरण शर्मा विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे भगवान विश्वकर्मा जयंती को मनाने की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा तहसील अध्यक्ष नीलेश शर्मा ने की बैठक का संचालन व्लाक अध्यक्ष डी.एस.चौहान ने करी बैठक में सभी कर्मचारी साथियों के हाथों को सेनेटाइज किया गया और सोसल डिस्डेसिंग का पूर्ण तया पालन किया गया बैठक में रूपकिशोर व्यास, व्ही.एस.राठौर, के.के. श्रीवास्तव, श्री कृष्ण शर्मा, रामशरण शर्मा ,नीलेश शर्मा, रवि बाबू दादोरिया ,शिवचरण शर्मा उपस्थित थे

एकलव्य फिल्म प्रोडक्शन के लिए पधारे कलाकार

नेनाराम सीरवी

जोधपुर। एकलव्य फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले राजस्थानी फिल्म ऑडिशन का आयोजन सोयला के चिरमी रिसोर्ट में संपन्न हुआ ।आकाशवाणी वरिष्ठ श्रोता छैलाराम मेघवाल ने बताया कि जिसमें सोयला क्षेत्र के लोगों ने न्यू आर्टिस्ट के लिए भाग लिया। जिसमें 18 वर्ष से से 55 वर्ष तक के मेल फीमेल आए। तथा सफल ऑडिशन किया गया सभी न्यू आर्टिस्ट बड़े उत्साह के साथ इस कार्यक्रम में शरीक हुए। इस अवसर पर फिल्म निर्देशक एवं प्रड्यूसर सोहन धनारी, एक्ट्रेस मीनू चौधरी, संतोष कुमार ईनाणीया, युवा नेता नरेश खोडवा, दिनेश बुड़किया, भंवर सा, कॉमेडियन सुनील शर्मा, लक्ष नायक, हुकमाराम रेगर, हंसराज प्रजापत, एंकर ओमप्रकाश हटीला, छैलाराम मेलाणा तथा कास्टिंग डायरेक्टर राजूराम जी चटालिया मौजूद थे।यह फिल्म सामाजिक जागरूकता व शिक्षा को बढ़ावा देने का मैसेज देगी, और इस फिल्म की शूटिंग सोयला के आसपास के क्षेत्रों में जल्द ही शुरू होगी।

युवा यादव समाज की मीटिंग हुई सम्पन्न,करैरा सहायता केंद्र पर प्रतिमा लगाने की हुई चर्चा

रिपोर्टर नरेन्द्र जाटव

करैरा, शिवपुरी करैरा अनुविभागीय के अंतर्गत ग्राम टोड़ा में युवा यादव समाज की मीटिंग समपन्न हुई तथा सभी आस-पास के यादव युवा भी समिलित हुए। जिसमें मुख्य अतिथि रुपेश यादव जी ओर विशिष्ट अतिथि शिवम यादव लहार ओर आर्मी लवर्स सभी भाई उपस्थित रहै। इस मीटिंग में अहीर रेजिमेंट ओर शहीद राजकुमार यादव का पार्क या करैरा साहयता केन्द्र पर प्रतिमा लगाई जाये इसके वारे में चर्चा हुई अहीर रेजिमेंट हक है हमारा इसे हम लेकर रहेगें।मीटिंग में सभी यादव युवाओं ने एक होने की बात कही,और अहीर रेजिमेंट के लिये हम सदैव तत्पर हैं, यदि हमारा अहीर रेजिमेंट हक हमको नही मिला,तो हम हड़ताल पर बैठेंगे। हम किसी पार्टी के लिये नही लड़ रहे,हम अपने हक के लिये आवाज उठा रहे हैं, और इसमें सभी यादव समाज के युवाओं ने एकजुटता निभाने को नीव रखी मुख्य अतिथि रुपेश यादव विशिष्ट अतिथि शिवम यादव लहार प्रदेश महासचिव गोपाल यादव टोडा जिला अध्यक्ष संजू यादव खैराई व्लोक अध्यक्ष सत्यम यादव सेमरा रुपेन्द यादव सोनू यादव लोकपाल यादव शेलेन्द्र यादव महेंद्र यादव काका जी अजय यादव कलूटा यादव अर्जुन यादव सोरभ यादव शिवेन्द यादव आलोक यादव गोपाल यादव पत्रकार नरेंद्र जाटव उपस्थित

लायंस क्लब दुर्गापुर ने मनाया शिक्षक दिवस

ब्यूरो चीफ अमन राय

लायंस क्लब आफ दुर्गापुर की ओर से हर साल की तरह इस साल भी शिक्षक दिवस मनाया गया. कार्यक्रम की शुरुआत डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन एवं पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के याद में 1 मिनट का मौन रखकर किया गया. उसके बाद कार्यक्रम में उपस्थित अतिथिगण को सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित थे नेपाली पाड़ा हिंदी हाई स्कूल के प्राचार्य डॉक्टर कलीमुल हक, एनआईटी कॉलेज के प्रोफेसर संदीप कुमार, डीआईसीभी स्कूल की शिक्षिका रूमा दास, दुर्गापुर पब्लिक स्कूल की शिक्षिका सोमा राय, लायंस क्लब के अध्यक्ष शंकर प्रसाद गुप्ता एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे. संस्था द्वारा एक मैगजीन का भी प्रकाशित किया गया.वही दुर्गापुर के पत्रकारों को भी संस्था द्वारा सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में सभी ने मार्क्स एवं सोशल डिस्टेंसिंग का खास ख्याल रखा. क्लब के सचिव काकोली विश्वास, राजेश प्रसाद एवं अन्य सदस्य सक्रि

समिति के सह कोषाध्यक्ष ने किया दसवां रक्तदान

प्रेस -नारायणलाल सैणचा

मैसूरू। के. आर. हॉस्पिटल में भर्ती शिवरानी हुनसुर निवासी मरीज का बच्चादानी का ऑपरेशन कराना था, रक्त स्राव ज़्यादा हो रहा था। डॉक्टर ने 4 यूनिट्स ब्लड की व्यवस्था परिजनों से करने को कहा, परिजनों ने तीन यूनिट की व्यवस्था कर दी, लेकिन एक यूनिट की व्यवस्था नहीं हो पाई, तब उन्होंने श्री आईजी क्षत्रिय सीरवी विकास सेवा समिति के सह कोषाध्यक्ष

करमाराम सीरवी से संपर्क किया। सीरवी अपने एक और संगठन रक्तदान महादान गौभक्त संगठन मैसूरू जिनके वे संरक्षक है, शिक्षक दिवस के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन था, सूचना मिलते ही हॉस्पिटल पहुंच कर रक्तदान कर मरीज को मदद पहुंचाई। सदैव मानव सेवा और गौसेवा में तत्पर रहने वाले करमाराम सीरवी ने ही रक्तदान महादान गौभक्त संगठन की शुरुआत की है। आज संगठन पूरे भारत में अपनी सेवाएं दे रहा हैं। 2020 का 7वां शिविर का आयोजन शिक्षक दिवस पर किया गया।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आगरा एवं खण्ड शिक्षा अधिकारी खेरागढ़ बर्षों से कर रहे है नौनिहालो के भविष्य से खिलबाड़

रिपोर्टर खेरागढ़-ः राजकुमार राजपूत

आगरा। ताज नगरी आगरा की बात की जाए तो यहां माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए लाखों प्रयास कर रहे हैं वही प्रशासनिक अधिकारी अपनी हरकत से बाज नहीं आ रहे हैं विकासखंड खैरागढ़ प्राथमिक विद्यालय लल्लू पुरा खेरागढ़ प्रधानाध्यापक श्री दिनेश चाहर कथित मेडिकल पर प्रतिमाह वेतन दिया जा रहा है नौनिहालौ को सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं से वंचित किया जा रहा है जिसकी सूचना तैनात सहायक अध्यापिका मोना लखवानी शिक्षामित्र रामपाल सिंह द्वारा समय-समय पर फोन लिखित मौखिक शिकायत जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आगरा जिलाधिकारी आगरा उप जिलाधिकारी खेरागढ़ खंड शिक्षा अधिकारी खेरागढ़ को दी गई सूचना के बाद श्री अनिल कुमार निम श्री अखिलेश

वर्मा खंड शिक्षा अधिकारी खंड विकास अधिकारी सैंया उप जिलाधिकारी खेरागढ़ द्वारा उपस्थिति रजिस्टर को सीन किया गया लेकिन श्री दिनेश चाहर को विद्यालय में उपस्थित नहीं करा सके अध्यापक उपस्थिति प्रमाणित एवं वेतन आहरित अधिकारी खंड शिक्षा अधिकारी होता है इस अवधि में अनिल कुमार निम अखिलेश वर्मा राजीव कुमार यादव इस पद पर रहे हैं इनके द्वारा उपस्थिति प्रमाणित की गई सरकार द्वारा 365 दिन का पूरी सर्विस में मेडिकल अवकाश मिलता है लेकिन अधिकारियों की कृपा से सवेतन कथित मेडिकल दिया जा रहा है अपनी करतूतों को छुपाने के लिए श्री राजीव कुमार यादव जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी दोषी खंड शिक्षा अधिकारी अनिल निम अखिलेश वर्मा को जांच अधिकारी नियुक्त कर सहायक अध्यापक मोना लखवानी को निलंबित एवं शिक्षामित्र का मानदेय अवरूद्ध आदेश कर दिए गए जबकि सहायक अध्यापिका जांच के समय बाल्य देखभाल अवकाश पर थी जबकि व्यवस्थाओं के लिए जिम्मेदार प्रधानाध्यापक श्री दिनेश चाहर हैं जिनके पास विद्यालय का वित्तीय चार्ज आज भी है जबकि जांच प्रधानाध्यापक दिनेश चाहर की होनी थी बरसों से बच्चों के लिए कोई व्यवस्था नहीं है जबकि बिल्डिंग मरम्मत न होने के कारण बिल्डिंग की हालत भी जर्जर हो चुकी है दोषी पर कोई कार्यवाही नहीं होते हुए दोषी को क्लीन चिट दे दी गई बरसों से नौनिहालौ को सरकार द्वारा मिलने वाली सुविधाओं से वंचित किया जा रहा है कायाकल्प क्या होता है यहां ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है सरकार के कायाकल्प योजना की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं

पवई विधानसभा विधायक प्रहलाद लोधी करेरा विधानसभा उपचुनाव प्रभारी बनकर पहुंचे करेरा

करेरा। शिवपुरी जिले की करेरा विधानसभा उपचुनाव के प्रभारी बनकर आए पवई विधायक प्रहलाद लोधी जी आज अल्प प्रवास पर करेरा आए और सिंधिया समर्थक अमन लोधी आमोल (लोधी समाज जिला अध्यक्ष शिवपुरी) जी के घर पहुंचे जहां पर अमन लोधी ने चाय नाश्ता कराया गया और बाद में श्री प्रहलाद लोधी जी विधायक को अमन लोधी आमोल जी ने तिलक लगाकर शॉल, श्रीफल दिया। इस अवसर अमन लोधी आमोल, दुर्ग सिंह लोधी पत्रकार, राकेश लोधी पूर्व नहर अध्यक्ष, रानू लोधी, आदि लोग उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष ने सांसद-विधायकों से कहा- जनता के सामने कांग्रेस को करें बेनकाब

झूठ और फरेब फैलाने वाली कांग्रेस का डटकर मुकाबला करें

भोपाल। कांग्रेस ने हमेशा जनता को भड़काने का काम किया। इन उपचुनावों में भी वह झूठ और फरेब का सहारा ले रही है। 15 महीने तक सत्ता में रहने के बाद भी लगातार जनता से वादाखिलाफी करने वाली कमलनाथ सरकार की हकीकत हमें उजागर करना है। 5 माह के अल्प समय में हमने जो जनकल्याण के काम किए हैं, उसे जनता के सामने रखकर उन्हें भाजपा सरकार और कांग्रेस सरकार का फर्क बताना है। यह चुनाव प्रत्याशी को जिताने का नहीं बल्कि सरकार के भविष्य का चुनाव है। यह बात मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णु दत्त शर्मा ने रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में विधायकों एवं सांसदों की बैठक में कही। बैठक को प्रदेश संगठन महामंत्री सुहास भगत ने भी संबोधित किया। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि इस चुनाव में हम जीत का संकल्प लें और हमारे जो साथी बाहर से आएं हैं, उनके साथ समन्वय करके सेक्टर और पोलिंग बूथ तक कार्यकर्ताओं से संवाद करें। केंद्र और राज्य सरकार ने जनता को जो सौगातें दी हैं, उन हितग्राहियों की संख्या बढ़ी है। प्रत्येक विधानसभा में हम उन हितग्राहियों से संपर्क करेंगे तो हमें लाभ होगा। उन्होंने कहा कि यह चुनाव में हमें संकल्प, समन्वय, संवाद और संपर्क के साथ जुटना है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस चुनाव को भटकाने की कोशिश करेंगे, लेकिन हमें विकास के मुद्दे पर यह चुनाव लड़ना है। कांग्रेस के भ्रष्टाचार की परतें खोदकर जनता के सामने रखेंगे शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रदेश में बाढ़ के हालात के दौरान मैं और मेरे साथी विधायकगण लगातार जनता के बीच पहुंचे, लेकिन कांग्रेस के नेता अपने बंगलों से बाहर नहीं निकले, हमें यह फर्क जनता को बताना है। कांग्रेस की कमलनाथ सरकार पिछली बार भी बाढ़ पीड़ितों को राहत राशि तक नहीं दे पाई थी, लेकिन हमने विपरीत समय में न सिर्फ उनका साथ दिया, बल्कि बाढ़ से जो प्रभावित हुए हैं, उन्हें 100 प्रतिशत मुआवजा देंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता इतने झूठेले हैं कि बेरोजगार संघ के नाम पर खुद अनुमति लेते हैं और युवाओं को भड़काने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि कमलनाथ एंड कंपनी ने सिवनी का मेडिकल कॉलेज निरस्त किया, लेकिन जनता से झूठ बोला। उन्होंने कर्जमाफी का वादा किया और किसानों को सिर्फ प्रमाण-पत्र पकड़ाए। उन्होंने पॉवर टिलर खरीदने में करोड़ों रूपए का भ्रष्टाचार किया। किसानों के नाम की सब्सीडी कंपनी के खाते में डाल दी। कमलनाथ सरकार में इतना भ्रष्टाचार था कि जितना खोदेंगे, उतना निकलेगा। उन्होंने कहा कि हम जनता के बीच प्रमाण सहित कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार की परतें खोलेंगे। श्री चौहान ने कहा कि यह चुनाव राष्ट्रीय महत्व को प्रभावित करने वाला चुनाव है। 27 सीटों की जीत-हार मध्यप्रदेश का भविष्य तय करेगी। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णु दत्त शर्मा ने कहा कि इस चुनाव में हमें विशेष तैयारी करने की जरूरत है। भारतीय जनता पार्टी का बूथ मजबूत हो इस दृष्टि से जो कार्ययोजना तैयार की है उसे नीचे स्तर तक क्रियान्वयन करने में जुटें। उन्होंने कहा कि हमारा विपक्षी दल झूठ बोलने और जनता में भ्रम फैलाने के लिए माहिर है। हमें जनता के बीच जाकर कांग्रेस द्वारा फैलाये जा रहे भ्रम को दूर करना है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रहते कमलनाथ खाली खजाना होने की बात करते थे, लेकिन हमारी सरकार ने तीन महीने के भीतर ही करोड़ों रूपए किसानों, गरीबों, महिला स्व सहायता समूहों को दिए, 4600 करोड़ रूपए हम फिर से किसानों के खाते में डालने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह चुनाव भाजपा बनाम कांग्रेस और कमलनाथ-दिग्विजय बनाम शिवराज सिंह चौहान है।

गैस की तरह बिजली सब्सिडी भी आएगी अब खाते में

भोपाल (ईएमएस)। गैस सबसिडी की तरह अब मप्र सरकार बिजली की सबसिडी राशि सीधे उपभोक्ताओं के खाते में डालने जा रही है। प्रदेश के ऊर्जा विभाग ने इस योजना पर काम शुरू कर दिया है। इसके ?लिए उपभोक्ता को पहले पूरे बिल की राशि जमा करनी होगी। उसके बाद ही सरकार से मिलने वाली राहत उसके खाते में पहुंचेगी। योजना की शुरुआत में विदिशा, झाबुआ और सिवनी जिले में इसे लागू किया जा रहा है। तकनीकी समस्याओं का आकलन करने के बाद यह डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर स्कीम प्रदेशभर में लागू होगी। रसोई गैस सिलेंडरों पर सब्सिडी की तरह ही प्रदेश बिजली कनेक्शनों पर भी यही व्यवस्था करने जा रही है। प्रदेश में मुख्यमंत्री कृषि पंप कनेक्शन में सबसे ज्यादा सब्सिडी मिलती है। किसानों के हिस्से का 92 फीसद बिल प्रदेश सरकार हर साल बिजली कंपनी को सीधे जमा करती है। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर स्कीम में किसानों को बिजली बिल की पूरी राशि पहले जमा करना पड़ेगी। इसमें आठ फीसद राशि खुद की और सरकार द्वारा दी जाने वाली सब्सिडी की राशि 92 फीसद रहेगी। बाद में यह 92 फीसद राशि किसानों के खाते में जमा हो जाएगी। इसी तरह से इंदिरा गृह ज्योति योजना और संबल योजना के हितग्राहियों को भी बिल का पूरा भुगतान करना होगा। ऐसे उपभोक्ता जिनकी खपत 100 यूनिट होती है उनका बिल मौजूदा दर के हिसाब से 634 रुपये होता है। सब्सिडी में उपभोक्ता को 100 रुपये का बिल ही जमा करना होता है। इस योजना के लागू होने के बाद उपभोक्ता को 634 रुपये का बिल जमा करना होगा। सब्सिडी के 534 रुपये उपभोक्ता के खाते में सरकार जमा करेगी। इसी तरह से मासिक खपत 150 यूनिट तक रहने पर 918 रुपये के बिल का पूरा भुगतान करना होगा। बाद में सरकार सब्सिडी के 534 रुपये उपभोक्ता के खाते में डालेगी। अभी उपभोक्ता को केवल 384 रुपये का बिल जमा करना होता है। उपभोक्ता के आधार कार्ड, मोबाइल नंबर और लैंड रिकॉर्ड आदि की जानकारी बिजली कंपनी जुटा रही है ताकि इस योजना को ठीक तरीके से लागू किया जा सके। इस बारे में मप्र पॉवर मैनेजमेंट कंपनी के प्रबंध संचालक आकाश त्रिपाठी का कहना है कि घरेलू गैस की तरह ही डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर योजना बिजली उपभोक्ताओं पर लागू करने की योजना है। अभी प्रदेश के तीन शहरों में पायलट प्रोजेक्ट प्रारंभ होगा। दो-तीन माह में इसे शुरू किया जा रहा है। इसके आधार पर अन्य जगह इसे लागू किया जायेगा। योजना किस ढंग से लागू होगी, इसे लेकर गाइडलाइन बन रही है।

उपभोक्ता को पहले जमा करनी होगी पूरे बिल की राशि

मप्र में घरेलू उड़ानों का सिलसिला फिर पकड़ रहा गति

इंदौर प्रदेश में अव्वल, अभी हो रहा 34 उड़ानों का परिचालन

भोपाल। कोरोना काल में थमा प्रदेश के इंदौर शहर के देवी अहिल्याबाई होलकर अंतराष्ट्रीय एयरपोर्ट से घरेलू उड़ानों का सिलसिला फिर से प्रारंभ हो गया है। वर्तमान में इंदौर से 34 उड़ानों का परिचालन हो रहा है, जो प्रदेश में सबसे अधिक है। इस माह के अंत तक यह आंकड़ा 40 से अधिक हो जाएगा। लॉकडाउन के पहले इंदौर एयरपोर्ट से हर दिन 92 उड़ानों की आवाजाही होती थी। इसमें प्रदेश की एकमात्र दुबई की सीधी अंतरराष्ट्रीय उड़ान भी शामिल थी। 23 मार्च से केंद्र सरकार ने उड़ानों पर रोक लगा दी थी। तब यहां से भी संचालन बंद हो गया था। स्पाइस जेट एयर बबल योजना के तहत इस माह 16, 23 और 30 सितंबर को दुबई की उड़ान संचालित की जाएगी। ट्रैवल एजेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के प्रदेश अध्यक्ष हेमेन्द्र सिंह जादौन के अनुसार इस सेक्टर में फिर से उछाल आने लगा है। लोग लगातार यात्रा कर रहे हैं और पर्यटन के लिए भी जाने लगे हैं। जादौन के अनुसार जब जेट एयरवेज अपनी उड़ानें संचालित करती थी, तब इंदौर से हर दिन 108 फ्लाइट चलती थीं। उसके बंद होते ही आंकड़ा नीचे आ गया था। वर्तमान में प्रदेश के 12 शहरों दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, हैदराबाद, बेंगलुरु, अहमदाबाद, बेलागावी, किशनगढ़, नागपुर, रायपुर, लखनऊ, और जयपुर गोवा, पुणे, प्रयागराज, अमृतसर, ग्वालियर, चेन्नाई, वडोदरा के लिए सीधी उड़ानें शुरु हो चुकी है। अन्य शहरों के ?लिए उडानें भी शीघ्र प्रारंभ होने की पूरी संभावना है।

मध्य प्रदेश में मनेगा दुर्गा उत्सव, झांकी भी सजेगी

भोपाल। मध्य प्रदेश की शिवराज सरकार ने शनिवार को प्रदेश में दुर्गा उत्सव का आयोजन करने की छूट देने का निर्णय लिया है। इसके तहत अब झांकी लगाई जा सकेंगी। हालांकि एक समय में 100 से अधिक व्यक्तियों की उपस्थिति पर पाबंदी रहेगी। कोरोना से बचाव के लिए शारीरिक दूरी, मास्क, सैनिटाइजर का उपयोग अनिवार्य रूप से करना होगा। दुर्गा विसर्जन को लेकर गाइडलाइन अलग से जारी की जाएगी। मध्य प्रदेश में काफी समय से दुर्गा उत्सव मानने की अनुमति देने की मांग उठ रही है। इसके लिए सामाजिक संगठनों ने गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा से मुलाकात भी की थी। वहीं, शनिवार को भोपाल जिला भाजपा के अध्यक्ष सुमित पचौरी ने मुख्यमंत्री को भी ज्ञापन सौंपा था। देर शाम कोरोना की रोकथाम और व्यवस्था की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विचार करने के बाद तय किया कि केंद्र सरकार ने अनलॉक-4 के तहत अधिकांश प्रतिबंध हटा लिए हैं। लॉकडाउन अब कहीं भी नहीं रहेगा। ऐसे में दुर्गा उत्सव का आयोजन भी कोरोना गाइडलाइन के साथ हो सकता है। झांकियों में भीड़ न लगे, इसका आयोजकों को विशेष ध्यान रखना होगा। बचाव के लिए प्रोटोकॉल का पालन करें मुख्यमंत्री ने बैठक में कहा कि लॉकडाउन खुलने और जीवन सामान्य होने के साथ-साथ कोरोना संक्रमण का प्रसार संभावित है। इससे बचाव के लिए प्रत्येक व्यक्ति को प्रोटोकॉल का पालन करना होगा। जागरूकता और सतर्कता बेहद जरूरी है। हर जिले में कमांड एंड कंट्रोल सेंटर बनेगा। बिना या मंद लक्षण वाले पॉजिटिव रोगियों के लिए होम आइसोलेशन की व्यवस्था को प्रोत्साहित किया जाएगा। ऐसे मरीजों से सेंटर में तैनात डॉक्टर दिन में दो बार वीडियो कॉल के माध्यम से बात कर स्वास्थ्य की जानकारी लेंगे। अब घर-घर जाकर नहीं लेंगे सैंपल बैठक में बताया गया कि अब घर-घर जाकर कोरोना संभावित व्यक्तियों के सैंपल नहीं लिए जाएंगे। इसके लिए फीवर क्लीनिक को प्राथमिक स्रोत के रूप में विकसित किया जाएगा।

मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूलों से 43 हजार विद्यार्थी गायब

भोपाल। मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूलों से 43 हजार बच्चे गायब हो गए हैं, लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा जारी किए आंकड़ों से यही लग रहा है। यह विद्यार्थी आज की स्थिति में कहां हैं और क्या कर रहे हैं इसकी जानकारी जिला शिक्षा विभाग के अधिकारियों को नहीं है। इस पर लोक शिक्षण संचालनालय ने नाराजगी दिखाते हुए कहा कि इतनी ज्यादा संख्या में विद्यार्थियों का नामांकन न होना चिंता का विषय है। लोक शिक्षण संचालनालय के जारी आंकड़ों के मुताबिक प्रवेश प्रक्रिया में छिंदवाड़ा सहित 16 जिलों में अव्वल है इन जिलों में 90 प्रतिशत विद्यार्थियों को स्कूलों में प्रवेश दिया गया है। लोक शिक्षण संचालनालय को प्रदेश के जिलों ने कक्षा एक से लेकर 12वीं तक के सरकारी स्कूलों में प्रवेशित बच्चों की संख्या 1 करोड़ भेजी है, जबकि पिछले साल स्कूलों में 1 करोड़ 43 हजार बच्चे प्रवेशित थे। लोक शिक्षण् संचालनालय अधिकरियों का कहना है कि जिलों द्वारा सही जानकारी नहीं भेजने पर आंकड़ों पर अंतर आ रहा है।

जल, जंगल, जमीन और वन प्राणियों के रक्षक है आदिवासी समाज

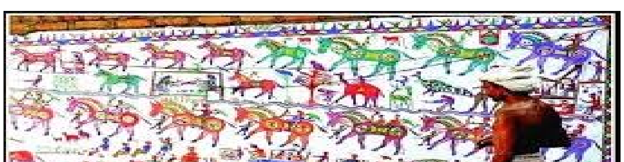

भोपाल। प्राचीनकाल से आदिवासियों का जंगल एवं वन प्राणियों से गहरा लगाव रहा है। आदिवासी प्राचीनकाल से वन क्षेत्रों में निवास करते हुए जल, जंगल, जमीन और वन प्राणियों की रक्षा करते रहे है। इसे देखते हुए भारतीय संस्कृति में आदिवासियों को धरती पुत्र कहा गया है। आदिवासी बाहुल्य मध्यप्रदेश राज्य में 43 जनजाति समूह निवास करते है। जो मध्यप्रदेश की कुल जनसंख्या का 5वां हिस्सा है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार प्रदेश में एक करोड़ 53 लाख के करीब जनजाति वर्ग की आबादी है। देश में स्वतंत्रता के पश्चात केन्द्र सरकार ने आदिवासी वर्ग के उत्थान के लिये संवैधानिक सुरक्षा प्रदान की और संविधान में उनकी समस्याओं को दूर करने के लिये अनेक प्रावधान भी किये। इसी के अनुरूप मध्यप्रदेश में आदिवासी वर्गों के सर्वांगीण विकास के लिये आदिवासी उपयोजना की रणनीति अपनाते हुए विभिन्न विकास विभागों के माध्यम से आर्थिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक, सामाजिक उत्थान एवं अनेक विकास कार्यक्रम संचालित किये जा रहे है। प्रदेश में जनजाति जनसंख्या के अनुपात में 21.09 प्रतिशत से अधिक बजट प्रावधान करके आदिवासी उपयोजना के अंतर्गत विभिन्न विभागों के माध्यम से योजनाओं का लाभ हितग्राहियों को दिया जा रहा है। आदिवासी भाई-बहनों को राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की प्रक्रिया को सरल, सुगम एवं ऑनलाइन करने के लिये सॉफ्टवेयर विकसित किया गया है। आदिवासी वर्ग के शैक्षणिक विकास के ि ये छात्रवृत्ति वितरण व्यवस्था को सुगम बनाया गया है। पिछले वर्ष 2019-20 में प्रदेश के करीब 25 लाख आदिवासी विद्यार्थियों को 465 करोड़ रूपये की छात्रवृत्ति प्रदान की गयी। इस वर्ष छात्रवृत्ति का लाभ 27 लाख 57 हजार आदिवासी विद्यार्थियों को दिया जा रहा है। इसके लिये राज्य सरकार ने अपने विभागीय बजट में 475 करोड़ रूपये का प्रावधान किया है। आदिम जाति कल्याण विभाग की 34 हजार 440 शैक्षणिक संस्थाओं में 25 लाख 64 हजार विद्यार्थी अध्यनरत् है। आदिवासी वर्ग के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के मकसद से आवासीय सुविधा के साथ 2629 छात्रावास आश्रम संचालित किये जा रहे है। इनमें डेढ़ लाख विद्यार्थियों की रहने की व्यवस्था की गई है। प्रदेश में संचालित 126 विशिष्ठ संस्थाओं में करीब 27 हजार 586 अनुसूचित जनजाति विद्यार्थी अध्ययन प्राप्त कर रहे है। प्रदेश में इस वर्ष नवीन छात्रावास और उच्चत्तर माध्यमिक शाला के उन्नयन के लिये बजट में प्रावधान किया गया है। प्रदेश में वर्ष 2020-21 में अनुसूचित जनजाति के 24 सीनियर छात्रावास और 15 महाविद्यालयीन छात्रावास प्रारंभ किये जाएंगे। इस वर्ष आदिवासी बहुल्य क्षेत्र के 50 हाई स्कूलों को उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय में उन्नयन कर संचालित किया जाएगा। आदिवासी वर्ग के ऐसे विद्यार्थी जिन्हें छात्रावासों में स्थान नहीं मिल पाता है। उनके लिये आवास सहायता योजना संचालित की जा रही है। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और उज्जैन नगरों में प्रति विद्यार्थी प्रतिमाह 2 हजार रूपये, जिला मुख्यालय पर प्रति विद्यार्थी प्रतिमाह 1250 एवं तहसील विकासखण्ड मुख्यालय पर प्रति विद्यार्थी एक हजार रूपये की सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। पिछले वर्ष आवास सहायता योजना में करीब 69 हजार विद्यार्थियों को 110 करोड़ रूपये की राशि वितरित की गयी। इस योजना में इस वर्ष आदिवासी वर्ग के 70 हजार विद्यार्थियों को 165 करोड़ रूपये वितरित किये जाएंगे। आदिवासी वर्ग के विद्यार्थी विदेशों में प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश कर अध्ययन कर सकें।

भविष्य की चिन्ता : चिंतनीय अर्थव्यवस्था

राजनैतिक, धार्मिक तथा सामाजिक क्षेत्रों से सम्बंधित फैसलों से राष्टीय तथा अन्तर्राष्टीय स्तर परर चाहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र दामोदर दास मोदी की जय-जयकार हो रही हो, किंतु आर्थिक मोर्चे पर मोदी जी और उनकी सरकार हमेशा निशाने पर रही है। हाल ही में इस वर्ष (2020) की प्रथम तिमाही के जो आंकड़े सामने आए है, उन्होंने हमारे देश के लोगों को ही नहीं, हमारे हित चिंतक देशों की सरकारों को भी चिंता में डाल दिया है। हाल ही में इस वर्ष की प्रथम तिमाही (जनवरी से मार्च 2020) के जो जीडीपी दर की रिपोर्ट सामने आई है, वह अत्यंत चैंका देने वाली है, पिछले चैबीस सालों में, अर्थात इस नई सदी में पहली बार हमारी विकास दर पाताली स्तर अर्थात माईनस 23.9 प्रतिशत तक पहुंच गई और साथ ही रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि अभी भी हम नही चैते तो अगले वर्ष यह विकास दर लगभग ग्यारह फीसदी और गिर सकती है, अगले वित्त वर्ष का यह अनुमान पिछली बार के अनुमान से 4.1 फीसदी ज्यादा है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि अगले साल स्थिति और बत्तर होने का अनुमान है, आशंका व्यक्त की जा ही है मौजूदा तिमाही (अप्रैल से जून 2020) में भी जीडीपी वृद्धि दर नकारात्मक रही तो देश भीषण मंदी की चपेट में आ जाएगा।

ऐसा कतई नहीं है कि सरकार को इस स्थिति की चिंता नही है, किंतु वह यह बहानेबाजी करके इस चिंता का भार कम कर रही है कि "अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मंदी का दौर है, ऐसे में भारत उससे अछूता कैसे रह सकता है" क्या हमें अब हमारी अर्थव्यवस्था में सुधार के प्रयास भी दूसरे देशों का अनुकरण कर शुरू करना पड़ेगें? जबकि वास्तविकता यह है कि मौजूदा नरेन्द्र भाई मोदी की सरकार ने जम्मू-कश्मीर से धारा 370 खत्म कने, देश के अल्पसंख्यक परिवारों से तलाक प्रथा खत्म करने और अयोध्या राम मंदिर जैसे मसलों पर ही अपना ध्यान केन्द्रित रखा और इन समस्याओं के समाधान किए जो राजनीति (370), तलाक खात्मा (सामाजिक) व अयोध्या राम मंदिर (धार्मिक) चेतनाओं से जुड़े थे। देश की आर्थिक स्थिति सुधारने को लेकर नोटबंदी जैसे प्रयास अवश्य किए गए, किंतु उनसे देश परेशान ही हुआ, उसे आर्थिक राहत हासिल नही हो पाई। यही स्थिति देश में बेरोजगारी की है

ऐसा कतई नहीं है कि सरकार को इस स्थिति की चिंता नही है, किंतु वह यह बहानेबाजी करके इस चिंता का भार कम कर रही है कि "अन्तर्राष्टीय स्तर पर मंदी का दौर है, ऐसे में भारत उससे अछूता कैसे रह सकता है" क्या हमें अब हमारी अर्थव्यवस्था में सुधार के प्रयास भी दूसरे देशों का अनुकरण कर शुरू करना पड़ेगें? जबकि वास्तविकता यह है कि मौजूदा नरेन्द्र भाई मोदी की सरकार ने जम्मू-कश्मीर से धारा 370 खत्म कने, देश के अल्पसंख्यक परिवारों से तलाक प्रथा खत्म करने और अयोध्या राम मंदिर जैसे मसलों पर ही अपना ध्यान केन्द्रित रखा और इन समस्याओं के समाधान किए जो राजनीति (370), तलाक खात्मा (सामाजिक) व अयोध्या राम मंदिर (धार्मिक) चेतनाओं से जुड़े थे। देश की आर्थिक स्थिति सुधारने को लेकर नोटबंदी जैसे प्रयास अवश्य किए गए, किंतु उनसे देश परेशान ही हुआ, उसे आर्थिक राहत हासिल नही हो पाई। यही स्थिति देश में बेरोजगारी की है। चुनावी घोषणा पत्र में सत्तारूढ़ भाजपा ने प्रतिवर्ष एक करोड़ बेरोजगार युवकों को रोजगार देने की बात कही थी, जो अन्य चुनावी मुद्दों की तररह गंभीरता से पूररा करने की कोशिशें की जाती तो पिछले छः सालों में छः करोड़ युवा बेरोजगारों को रोजगार मिल जाता, किंतु आर्थिक क्षेत्र से जुड़ी इस अहम् समस्या पर भी सरकार ने ध्यान नहीं दिया जिसके कारण देश में बेरोजगार शिक्षित युवाओं की संख्या दिन दूनी, रात चैगुनी बढ़ती ही जा रही है और सरकार अभी भी आर्थिक क्षेत्र के प्रतिपूरी तरह लापरवाही बरत रही है, इस सरकार की इसी लापरवाही के कारण हमारे देश के अन्तर्राष्टीय ख्याति प्राप्त अर्थशास्त्री सरकार के प्रति कई बार भीषण नाारजी व्यक्त कर चुके है। हमारे इन अर्थशास्त्रियों को सबसे बड़ी चिंता उन अनुमानों को लेकर है, जिनमें कहा जा रहा है कि अगले वर्ष हमारी विकास दर मौजूदा मायनस दर से दस अंक और मायनस तक पहुंच जाएगी। अब सवाल यह पैदा होता है कि क्या अरूण जैटली जी के स्वर्ग सिधारने के बाद भाजपा के पास कोई ऐसा अर्थशास्त्री वित्तमंत्री नहीं रहा जिससे अर्थशास्त्र के सिद्धांतों का थोड़ा भी ज्ञान हो? या सरकार या उसके मुखिया स्वयं ही नहीं चाहते कि देश आर्थिक संकट से मुक्त हो? देश में हर मोर्चे पर विजय प्राप्त करने वाली मौजूदा मोदी सरकार देश की जनता की रोजी रोटी से जुड़ी मंहगाई जैसी समस्याओं पर अपना ध्यान केन्द्रित क्यों नहीं कररर रही है? आज पूरे देश के लिए यही चिंता का विषय है, साथ ही देश का इस दिशा में भविष्य क्या होगा? इसे लेकर भी देश चिंतित है, क्या इस अहम् समस्या का हल किए बिना राम मंदिर या 370 जैसे मुद्दों पर यह सरकार 'दीर्घजीवी' रह सकती है?

भ्रम

आखिर कैसा भ्रम पाल
बैठा है इंसान,
दो पल का भरोसा
नही,जन्मों का हिसाब
संभाल बैठा है।

जाने किन उलझनों के
शिकार हैं,
इंसान ही इंसान से हो रहा बेजार है।

अहंकार के मद को है पी रहा,
राख ना होगा तन तेरा,इस भ्रम में है जी रहा।

रोटी के निवाले से ही मिटेगी भूख तेरी,
जाने क्यों माया को इतना संजों रहा ।

होठों पर दुआओं का बसेरा हो,
ना कुछ तेरा हो ना मेरा हो ।

रहमत बरसेगी तुझपर भी उसकी,
किसी भूखे को खाना खिलाकर तो देख।

सुकून पा जायेगा तू भी,
बस एक कदम बढ़ा कर तो देख ।

यूं तो परेशानियां जाने कितनी हैं जीवन में,
इस सफर को चलो मिलकर गुजार लेते हैं ।

अपने-अपने गमों को रख किनारे
इस जहान में खुशियाँ बिखेर देते हैं ।

रश्मि वत्स
मेरठ (उत्तर प्रदेश)

सौदागर..!

सौदागर हूँ फ़रेब के बदले,
ईमानदारी से ईमान बेच रहा हूँ।
अनजाने शहर में भटकता,
खरीददार ढूढ़ रहा हूँ।
चेहरे की चमक देखकर,
इंसानियत भूल गया हूँ।
घाटे का सौदा है मगर,
ईमानदारी से ईमान बेच रहा हूँ।
उसूलों से बंधे है ज़नाब,
वर्ना मुफ़्त ईमान बिक रहा होता।
सौदागरी की दुनियां में,
खुलेआम दादागिरी न
होता।
बोली चमड़ी की देखकर,
बाज़ार में भाव बढ़ा
दिया।
बोली लगा ईमान का तो,
झट सौदा गिरा
दिया।

झूठ की दुनियां है,
सच्चाई कहाँ बिकता है।
नफ़रतें दिल में पनपता,
फिर प्रेम कहाँ दिखता है।
चलो आओ चले साथ,
सौदागरी के दुनिया मे साज।
क्रूरता की बलि चढ़ा,
दयावान को पहनाये ताज।
भटक सा गया क्यों,
सौदाई सी इस राह पर।
तू इतना सीख सम्भल जरा,
भूल को अपना सुधारकर।
मन की सौदा अमल कर,
मनगढ़त क़िस्से है हज़ार।
बाल की खाल बिकता,
सौदाग़री की है बाज़ार।
बिन सौदा तुला के,
पूरे बाज़ार घूम रहा हूँ।
सौदागर हूँ फ़रेब के बदले,
ईमानदारी से ईमान बेच रहा हूँ।
इंसान हूँ इंसान बना रहूँगा,
नेकी की रास्ता सजा रहा हूँ।
चाहे बांध लो काली पट्टी,
कालिक से बचा रहा हूँ।
सौदागर हूँ फ़रेब के बदले,
ईमानदारी से ईमान बेच रहा हूँ।
रिस्ते का दामन पाक रहे,
हस्ती कुछ ख़ास बना रहा हूँ।
जिंदगी की सौदा बचाने को,
अपना सर्वस्व लुटा रहा हूँ।
सौदागर हूँ फ़रेब के बदले,
ईमानदारी से ईमान बेच रहा हूँ।

दिब्यानन्द पटेल
विद्युत नगर दर्री
कोरबा छत्तीसगढ

चीन को दो टूक

15 जून को गलवान झड़प के बाद पहली बार भारत-चीन के रक्षा मंत्रियों के बीच रूस में आमने-सामने बातचीत हुई। ढाई घंटे चली इस बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चीन को दो टूक संदेश देते हुए कहा कि अगर शांति बनाए रखनी है तो चीन को सेना पीछे लेनी होगी। राजनाथ सिंह ने चीनी रक्षा मंत्री जनरल वेई फेंगे से कहा कि गलवान घाटी समेत लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) पर बीते कुछ महीनों में तनाव रहा है। सीमा पर चीन का अपने सैनिकों को बढ़ाना आक्रामक बर्ताव (अग्रेसिव बिहेवियर) को दिखाता है। यह द्विपक्षीय समझौते का उल्लंघन है। यह बैठक चीन के आग्रह पर बुलाई गई थी, वरना भारत ने तो उसका चेहरा तक देखने से इंकार कर दिया था। मगर इस वार्ता में भी चीन को दोहरा रवैया देखने को मिला। उसके रक्षा मंत्री फेंगे ने दावा किया कि सीमा पर जारी विवाद की वजह भारत है। उन्होंने यह भी कहा कि चीन अपनी एक इंच जमीन भी नहीं छोड़ सकता। चीनी सेना राष्ट्रीय अखंडता और क्षेत्रीय संप्रभुता की रक्षा करने में सक्षम है। पूर्वी लद्दाख में भारत-चीन सीमा पर चल रहे गतिरोध को दूर करने के लिए जारी सैन्य और कूटनीति स्तर की वाताओं का अब तक कोई सकारात्मक नतीजा नहीं निकला है और ऐसे आसार भी नजर नहीं आ रहे कि आने वाले दिनों में वार्ता किसी नतीजे पर पहुंचेगी। जाहिर है, चीन चाहता ही नहीं है कि सीमा पर किसी तरह की शांति बहाली हो, बल्कि जिस तरह से उसकी हमलावर गतिविधियां बढ़ी हैं और भारत के प्रति जो आक्रामक रुख अपना रखा है, उससे साफ है कि वह अब बड़े टकराव की तैयारी में है। इसलिए वह बार-बार भारत को उकसाने वाली गतिविधियों को अंजाम दे रहा है। सीमा पर चीनी सैनिकों का जमावड़ा इसका स्पष्ट प्रमाण है। लेकिन अब भारत ने चीन को लेकर जो सख्त रुख दिखाया है, उससे यह साफ हो गया है कि चीन को उसकी आक्रामक कार्रवाई का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। भारत ने चीन को एक बार फिर साफ-साफ कह दिया है कि शांति बहाली तभी संभव है, जब चीनी सैनिक पूरी तरह से भारतीय क्षेत्र से पीछे हट जाएंगे। भारत ने अपना रुख साफ करते हुए कहा है कि जब तक सीमा पर पांच मई से पूर्व की स्थिति बहाल नहीं हो जाती, तब तक शांति बहाली की दिशा में बढ़ पाना संभव नहीं है। सच्चाई तो यही है कि चीन ने यथास्थिति को बदलने की एकतरफा कार्रवाई करते हुए ताजा विवाद को जन्म दिया है। इसलिए जब तक चीनी सैनिक पीछे नहीं हटेंगे, तब तक गतिरोध दूर करने की दिशा में प्रगति की कोई उम्मीद नहीं है। भारत ने के कड़े रुख से साफ है कि वह अब चीन की किसी रणनीति के दबाव में नहीं आने वाला। इसमें किसी को कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि भारत की स्थिति अब 1962 वाली नहीं है। अब चीन को जवाब देने के लिए भारत के पास हर तरह के विकल्प मौजूद हैं। इस वक्त दुनिया कोरोना महामारी के संकट से जूझ रही है। चीन खुद भी इस समस्या से घिरा है। ऐसे में भी अगर वह पड़ोसी देशों के साथ सीमा विवादों को बढ़ा रहा है, तो साफ है कि वह दूसरे देशों की जमीन पर कब्जा करके उन्हें विवादित बनाने और अपनी सीमाओं का विस्तार करने की रणनीति पर चल रहा है। बेहतर होता इस वक्त चीन ऐसे सीमा विवादों के बजाय मानवीय रुख दिखाता। लेकिन उसे यह संकट एक बड़े अवसर के रूप में दिख रहा है। भारत ने एक बार फिर चीन को कड़ा और स्पष्ट संदेश दिया है कि अब पहले उसे पीछे हटना होगा। लेकिन चीन इस बात पर अड़ा है कि वह फिंगर-4 क्षेत्र से अब तभी हटेगा, जब भारत भी समान दूरी तक पीछे हटे। सवाल है कि अपने ही इलाके में आखिर भारत क्यों पीछे हटेगा! चीन को भारत के सख्त रुख का अर्थ समझने की जरूरत है।

कविता - इंतजार क्यों

जाने वाला चला गया,
अब उसका इंतजार क्यों।
उड़ गए पिंजरे से जो परिंदे,
उनसे अब भी इतना प्यार क्यों।।

रोशनी की चाहत की तूने,
लेकिन घनघोर अंधेरा छा गया।
अँधकार को जीवन क्यों ना बनाता,
बता तुझे उजाले से इतना प्यार क्यों।।

सूखे फूलो को किताबो में सजाता,
मुरझाए उन फूलो से इतना प्यार क्यों।
नए फूलो का एक बाग क्यों नही बनाता,
बता पुराने मुरझाए फूलो से इतना प्यार क्यों।।

हर दिन अगर नए सपने बुनना है,
तो कुछ टूटे सपनो से इतना प्यार क्यों।
प्रगतिपथ पर अगर तुझे आगे बढ़ना है ,
देगा कोई तुझे सहारा,इसका इंतजार क्यों।।

इंतजार भी अब पूछ रहा तुझसे
बता मुझ से तुझे इतना प्यार क्यों,
आने वाले कल में करूँगा काम ये अधूरा,
बता तुझे आने वाले पल का इंतजार है क्यों।।

नीरज त्यागी
ग़ाज़ियाबाद (उत्तर प्रदेश).

माँ और बेटी

रचना– कविता

जन्म लेकर बेटी जग में , लक्ष्मी की अवतार बन आती है ।
सुख, समृद्धि, प्रेम, दया और साथ मुस्कान लाती है।

छोटी सी है गुड़िया मेरी , परियों के जैसे दिखती है।
उसके हंसने पर, चेहरे में मुस्कान मेरे भी टिकती है।

थोड़ी - सी बड़ी हुई परी, अब माँ - माँ कहके बुलाती है ।
आनंदित हो उठता मन मेरा, पास मेरे जब आती है ।
छम - छम करती पायल उसकी , मन में मोह जगाती है ।
कभी गिरती , कभी सम्हलती , हाथ पकड़ इठलाती है ।

बीते वो दिन जल्दी ही , स्कूल जाने की घड़ी आती है।
लिए बस्ता पीठ पर , संग सखी वह जाती है।

अपनी पढ़ाई पूरी कर , नौकरी वह करने लगी। मेरी बेटी हुई सयानी ,
सुंदर , सजने सँवरने लगी।

वह समय अब आता है, जब बेटी दुल्हन बनती है।
ठान अपना नया ठिकाना , लाल जोड़ा पहनती है।

बेटी की तरह अब बहू के सारे फर्ज निभाती है। अपने पिया के घर
को सपने जैसा सजाती है ।

वह छोटी सी परी मेरी , गोद में जो खेली थी।
चुलबुली, चंचल थी, बातूनी बड़ी अलबेली थी।

कितनी जल्दी वही बिटिया, इतनी बड़ी हो जाती
है।
माँ माँ कहने वाली वह , अब खुद एक माँ बन
जाती है।

सुक जायसवाल
पुरगाँव, छत्तीसगढ़

संघर्ष बहुत कुछ सिखाता है'

इंसान जब जन्म लेता है तब से उसकी जिंदगी का सफर प्रारंभ हो जाता है। बहुत सारी छोटी-बड़ी गलतियों से, ठोकरों से वह गुजरकर आगे बढ़ता है। बहुत कुछ पाने के लिए बहुत कुछ खोता भी है। बहुत सारी सुंदर कल्पनाओं को, बहुत सारे सुंदर सपनों को अपनी आंखों में सजायें बस चलता रहता है, कभी पैरों में घाव हो जाते हैं तो कभी हिम्मत जवाब दे जाती है। कभी खुद को, कभी किस्मत को कोसकर मन का गुबार निकाल देता है,पर सफर फिर भी तय करना होता है।इस सफर में उसका सच्चा साथी उसका संघर्ष होता है,जो उसे भेंट में अच्छें-बुरें अनुभव देता है,जिनकी मदद से वह आगे के रास्ते के लिए सजग और अगले कदम के लिए तैयार हो जाता हैं। ये संघर्ष ही होता है जो कभी जीत पर घमंड नहीं करने देता,वह हमेशा बताता है कि इंसान का रिश्ता जमीन से कितना गहरा है,ये संघर्ष के दिन ही होते हैं जो धूप-छांव का महत्व बताते हैं और जीवन को सार्थक करते हैं।

अंकिता जैन अवनी
(लेखिका/ कवयित्री)
अशोकनगर मप्र

कोरोना संक्रमण से विश्व शक्तियों का नया ध्रुवीकरण

कोरोना महामारी के रुप में उभरा कोरोना-क्रासिस क्या विश्व में महाशक्तियों के शक्ति संतुलन को बदल देगा? यह सोचना जितना जल्दबाजी है उतना ही वाजिब भी क्योंकि उसकी कुछ ठोस वजहें उभरी है। जिस ?ग से पल-पल विश्व परिदृश्य को यह महामारी बदल रही है। वह किसी युद्ध की विभीषिका से कम नहीं है। जैसे पूर्व के दोनां विश्व युद्धों के अनुभव रहे है। दोनों युद्धों का परिणाम विश्व के नए शक्ति ध्रुवों के रुप में सामने आए है। इस महामारी से जो परिदृश्य बन रहा है। वह किसी विश्व युद्ध से कम नहीं है और इसकी कूटनीतिक शंकाएं कहीं सच साबित हुई तो यह महामारी के नहीं महायुद्ध के रुप में दर्ज होगा। लुक-ईस्ट की दृष्टि एशिया के महाशक्ति बनने के संकेत दे रही है। जिस तरह से महाशक्ति कहे जाने वाले तमाम यूरोपीय देश जो इस संकट में त्राही-माम त्राही-माम कर रहे है। वहीं एशिया के देश इस पर तेजी से नियंत्रण पा अपनी अर्थव्यवस्थाओं को पटरियों पर लाने की मनःस्थितियों में आते दिख रहे है। दुनियां देर-सबेर इस संकट से तो उभर ही जायेगी। इसके बाद दुनियां में नए शक्ति ध्रुवों की शुगबुगाहट शुरु होगी। ऐसे संकेत अभी से मिलने लगे है। दुनियां के बाजार और सरकारें इसे एक अवसर में बदलने की हर संभव कोशिश करेगें। जिसका परिणाम होगा दुनियां शायद पूरी तरह बदल जाए। कोरोना संक्रमण से जिस तरह का विश्व परिदृश्य

उभरा है उससे कई मिथक टूटते नजर आ रहे है। पहला तो यही कि जिस यूरोप को अपने ज्ञान-विज्ञान पर इतना भरोसा था, वह उसी में उलझा हुआ हताश और निराश नजर आया। दूसरे एशिया को जितना पर-निर्भर माना जाता रहा है और उसके मॉडल को कभी किसी ने तरजीह नहीं दी, यह गलत साबित होता दिख रहा। विश्व संचालन का केन्द्र समझे जाने वाले अमेरिका की पोल सबसे ज्यादा खुली है। नई शक्ति के संकेत देता दक्षिण कोरिया, यह संदेश देने में सफल रहा कि सामुदायिक सशक्तीकरण के साथ कैसे, कितने भी ब? संकट से आत्मविश्वास के साथ जूझा जा सकता है। बिना किसी लॉकडाउन और जन-जीवन को अस्त-व्यस्त किए भी। यह मिथक भी टूट गया कि सिर्फ गैर-लोकतांत्रिक सरकारें ही किसी आपात् स्थिति में त्वरित गति से हस्तक्षेप कर संकट से सफलतापूर्वक जूझ पाती है। साथ ही दुनियां को अब इस गलतफहमी से भी उभर जाना चाहिए कि छोटे देश ही सुशासन और प्रभावी तरीके से अपने सार्वजनिक क्षेत्र का संचालन कर पाते है। एशियन देशों को थोडा समझना होगा कि कोरोना सक्रमण के सामान्य स्थिति में आते ही बहुराष्ट्य निगमों के आर. एण्ड डी. खेमें दिन-रात जुटेंगें, अपनी उन नई तकनीकियों के बाजार विस्तार के लिए जिन्हें इस डर ने सबके लिए जरुरी बना दिया है। भारत को भी इसमें मजबूती से उतरना चाहिए। अब ऑनलाइन टैक्नोलॉजी का बाजार ब?ता जायेगा। शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में इसकी ब?ी संभावनाएं उभरेगीं। गरीब से गरीब देशों की सरकारें भी बाये-टैक्नोलॉजी के बड़े ब?ट पास कर जायेगी। इनफॉरमेशन टैक्नोलॉजी के लिए निगरानी क्षेत्र में निजता को लेकर जो बाधाएं अभी तक थी उन क्षेत्रों में अब निर्बाध बाजार बनायेगी। सबके भले और आपात! आवश्यकता के नाम पर यह अवसर बाजार भी भुनायेगा और सरकारे भी। कोरोना क्रासिस के साथ-साथ दुनियां में निगरानी-तंत्र से जु? उपकरणों का बाजार तेजी से ब?गा। स्वास्थ्य क्षेत्र में सक्रिय बहुराष्ट्य कम्पंनियां विकासशील देशों को भावी खतरों से सुरक्षित करने के नाम पर अपनी गिरफत में लेने को आतुर रहेगी। भारत को इस दिशा में ब?ना चाहिए। कारोना संक्रमण के दौरान चीन और दक्षिण कोरिया ने जिस ब? स्तर पर टैक्नोलॉजी का लाभ लिया और कोरोना संक्रमण पर काबू पाने में कामयाबी हासिल की। यह मॉडल दुनियां के तमाम देशों को भायेगा और वे इसके लिए अतिरिक्त वित्त भार सुरक्षा की दृष्टि से सबको आवश्यक रुप से वहन करने को मजबूर करेगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इस जोखिम के समय में कोरोना संक्रमण को काबू करने में बहुत काम आयी। स्मार्ट?ोन के जरिए मॉनिटरिंग करने में मदद मिली वहीं कैमरों से चेहरों की शिनाख्त करने के लिए टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए लोगों के शरीर का तापमान तक पता कर लिया। गूगल लोकेशन लेकर संक्रमित लोगों पर गिरानी रखी गई उन्हें एकांत में सबसे अलग रखा गया। इतना ही नहीं टैक्नोलॉजी के माध्यम से यहां तक पता कर लिया गया कि कौन व्यक्ति कहां-कहां पर किस-किस से मिला है। उन सबका गहन परीक्षण कर संक्रमण को रोकना सुनिश्चित करने में मददगार रहा। कोरोना महामारी के लिए हुई यह मशक्कत एशिया के इन राष्टृं को आत्मबल प्रदान करने वाली साबित होगी। जहां जरा-जरा सी बातों के लिए यूरोप और अमेरिका को मॉडल मान लेने का अंधानुकरण जारी था इससे वह मिथक टूट गया है। भारत भी अभी तक कोरोना संक्रमण पर नियंत्रण की दृष्टि से ब?त बनाएं हुए है। भविष्य में विकासशील देशों कि न?र भारत और दक्षिण कोरिया के कार्यवाही मॉडल पर जमेंगी। दक्षिण कोरिया ने अपनी सामुदायिक स्वास्थ्य प्रणाली और कर्मठ ब्यूरोक्रेसी के बूते यह जंग लगभग जीत ली है वहीं भारत अपने मजबूत नेतृत्व के साथ पूरे आत्म-विश्वास के साथ इस युद्ध में ब?त बनाएं हुए है। अब हमें वैश्विक एकजुटता के साथ इस संकट का सामना करना है और जहां जैसी जरुरतें हो वहां वैसी हर संभव मदद पहुंचाने की कोशिश मिलजुल करनी है। जभी कोई राटृ अपनी वैश्विक मानवीय भूमिका में पहचान बनाता है और विश्व शक्ति के रुप में स्थापित होता है। एशिया के दोनों राष्टृं भारत और दक्षिण कोरिया को चाहिए कि अपनी नयी वैश्विक भूमिका में उभरने की साझा नीति, रणनीति और कूटनीति पर तेजी से अमल कर विश्व को इस संकट में मोर्चा संभालने में अपनी सकारात्मक भूमिका के साथ दस्तक दे।

मेल्क में ऑस्ट्रिया के आइस तैराक जोसफ कोइब्रेल बर्फ से भरे एक बॉक्स में बैठकर रिकार्ड बनाते हुए।

उत्तर कोरिया जल्द करेगा लंबी रेंज की मिसाइल पेश

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने एक नई लंबी रेंज की मिसाइल का ऐलान जल्द ही करने की तैयारी कर ली है। जानकारी के अनुसार यह मिसाइल अमेरिका तक हमला करने की क्षमता रखती है। वॉशिंगटन के सुरक्षा सूत्रों का दावा है कि यह सॉलिड-फ्यूल वाली इंटरकॉन्टिनेंटल-रेंज की बैलिस्टिक मिसाइल 10 अक्टूबर में होने वाली परेड में पेश की जा सकती है! इस दिन कोरिया की वर्कर्स पार्टी का 75वां स्थापना दिवस होगा। रक्षा विश्लेषकों का कहना है कि अभी तक उत्तर कोरिया के पास सिर्फ लिक्विड फ्यूल आधारित मिसाइलें रही हैं, जिन्हें तैयार करने में वक्त लगता है और उन्हें रेडी-टू-लॉन्च स्टेट में नहीं छोड़ा जा सकता है, जबकि सॉलिड फ्यूल मिसाइलों को ईंधन भरकर छोड़ा जा सकता है कि जल्दी लॉन्च भी किया जा सकता है। इन्हें डिटेक्ट कर खत्म करना भी मुश्किल होता है। माना जा रहा है कि नवंबर में अमेरिका में होने वाले राष्ट्रपति चुनावों से पहले उत्तर कोरिया शक्ति प्रदर्शन कर सकता है। इसके लिए देश की सेना ने अभ्यास भी शुरू कर दिया है। प्योंगयांग की सैटलाइट तस्वीरों में इस तैयारी को देखा जा सकता है। यॉन्गब्योन में हो रहीं गतिविधियों से यह माना जा सकता है कि उत्तर कोरिया यूरेनियम पर काम कर रहा है।

हसीना ने बांग्लादेश की संसद में मुखर्जी को दी श्रद्धांजलि

कहा, मुक्ति संग्राम के समय से थे बांग्लादेश के सच्चे दोस्त

ढाका। बांग्लादेश की संसद ने रविवार को भारत के पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के निधन पर शोक प्रस्ताव पारित किया और प्रधानमंत्री शेख हसीना ने मुखर्जी को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि वह बांग्लादेश के सच्चे मित्र थे। हसीना ने संसद में कहा, वह 1971 के मुक्ति संग्राम के समय से बांग्लादेश के सच्चे दोस्त थे। संसद ने मुखर्जी और बांग्लादेश के अनेक गणमान्य नागरिकों के निधन पर शोक प्रस्ताव पारित किया। मुखर्जी का सोमवार को नयी दिल्ली में निधन हो गया था। वह 21 दिन से अस्पताल में भर्ती थे। बांग्लादेश सरकार ने मंगलवार को ऐलान किया कि वह देश के सच्चे मित्र के निधन पर एक दिन का राजकीय शोक रखेगी। हसीना ने बांग्लादेश में 15 अगस्त, 1975 के तख्ता पलट के बाद भारत में निर्वासन के दौरान अपने और अपने परिवार के लिए मुखर्जी के निजी सहयोग को याद किया।

ट्रंप को अपशब्द कहने वाले एफबीआई एजेंट को मिल रहे धमकी भरे फोन काल

वाशिंगटन। अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी (एफबीआई) में पूरा करियर रूसी और चीनी जासूसों की तलाश में बिताने वाले एजेंट पीटर स्ट्रजोक के बारे में खुलासा हुआ है कि उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बारे में अपमानजनक फोन संदेश भेजे थे। अब पीटर को अज्ञात नंबरों से धमकी भरे फोन कॉल और संदेश आ रहे हैं। उनके परिवार के सदस्यों को सुरक्षा की वजह से छिप कर घर से बाहर निकलना पड़ रहा है। पीटर ने कहा अपमानजनक मलों में निशाना बनाया जाना भयावह है और राष्ट्रपति स्वयं इसमें शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि पीटर ने अपनी किताब में एक अनुभवी एजेंट से लेकर अपने उस व्यक्तित्व तक के बारे में लिखा है जिसने ट्रम्प द्वारा एफबीआई का सार्वजनिक रूप से बहिष्कार करने पर आवाज उठाई।

डब्ल्यूएचओ बोला- कोविड-19 का वैक्सीन अगले साल 2021 के मध्य से पहले संभव नहीं

जिनेवा। कोविड-19 के घातक प्रभाव से जूझ रही दुनिया को कोरोना वैक्सीन का इंतजार है। इसी बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा कि अगले साल 2021 के मध्य से पहले कोरोना की वैक्सीन आने की उम्मीद नहीं है। डब्ल्यूएचओ ने चल रहे ट्रायल में प्रभावशीलता और सुरक्षा के महत्व पर बल दिया। डब्ल्यूएचओ की प्रवक्ता मार्गरिट हैरिस ने बताया, वैक्सीन बनाने वाला कोई भी देश अब तक एडवांस ट्रायल में नहीं पहुंचा है। ऐसे में अगले साल मध्य से पहले तक व्यापक रूप से कोरोना की वैक्सीन की उपलब्धता की उम्मीद नहीं कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि वैक्सीन के ट्रायल का तीसरा चरण लंबा होगा, इसमें हमें देखने की जरूरत है कि ये कितनी सुरक्षित है, और कोरोना से कितना बचा सकती है। डब्ल्यूएचओ की प्रवक्ता मार्गरिट हैरिस ने कहा कि अब तक के ट्रायल में किसी भी वैक्सीन ने कम से कम 50 फीसदी के स्तर पर प्रभावशाली होने के %स्पष्ट संकेत% नहीं मिले हैं। जहां एक ओर डब्ल्यूएचओ अगले साल कोरोना की वैक्सीन आने की बात कर रहा है। वहीं, रूस ने मानव परीक्षण के दो महीने से भी कम समय के बाद अगस्त में कोविड-19 वैक्सीन को मंजूरी दे दी। जिससे कुछ पश्चिमी विशेषज्ञों ने इसकी सुरक्षा और प्रभावकारिता पर सवाल उठाए। अमेरिका के सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारियों और फाइजर इंक ने गुरुवार को कहा कि अक्टूबर के अंत तक एक टीका वितरण के लिए तैयार हो सकता है। यह 3 नवंबर को अमेरिकी चुनाव से ठीक पहले होगा, जिसमें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा दूसरा कार्यकाल जीतने पर मतदाताओं के बीच महामारी होने की संभावना है। जिनेवा में एक यूएन ब्रीफिंग को हैरिस ने बताया, हम वास्तव में अगले साल के मध्य तक व्यापक टीकाकरण आने की उम्मीद नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा, कोरोना वैक्सीन के तीसरे चरण में अधिक समय लगाना चाहिए। क्योंकि हमें यह देखने की जरूरत है कि टीका वास्तव में कितना सुरक्षात्मक है और यह कितना सुरक्षित है।

प्राग में फैशन वीक में परिधानों को पेश

पाकिस्तानी महिला पत्रकार को गोली मारी, हुई मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत क्षेत्र बलूचिस्तान में महिला पत्रकार की गोली मार कर हत्या कर दी गई। महिला पत्रकार की उसके घर पर ही उसके प?ति ने गोली मारकर हत्या कर दी।यह घटना बलूचिस्तान के केच जिले के तुरबत इलाके की है। आपको बता दें कि पाकिस्तान में घरेलू हिंसा के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। शहीना शाहीन एक स्थानीय एंकर और एक स्थानीय पत्रिका की संपादक थी। वह बलूचिस्तान विश्वविद्यालय में फाइन आर्ट की छात्रा भी थी। ऐसा माना जाता है कि उसके पति ने शाहीन को मार डाला, क्योंकि वह बलूचिस्तान में काफी प्रसिद्धि पा रही थी। कार्यक्रम अधिकारी मुहम्मद अशफाक मेंगल के अनुसार, पीड़ितों को ज्यादातर करीबी रिश्तेदारों द्वारा मार दिया गया था, जिनमें तथाकथित सम्मान और छोटे पारिवारिक झगड़े के नाम पर पति, भाई और अन्य रिश्तेदार शामिल थे। शाहीन की मौत के पीछे भी यही लगता है। पुलिस अधीक्षक नजीबुल्लाह पंडरानी ने कहा कि यह हत्या घरेलू हिंसा का परिणाम थी। उन्होंने कहा कि अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। हालांकि, शाहीन के परिवार ने अपने पति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई, जिसकी शादी उसने पांच महीने पहले की थी।

खेबरोवस्क में पूर्व गवर्नर सरजेई फुरगेल का एक रैली में समर्थन करते हुए लोग।

अंडमान और निकोबार में आए कोरोना के 35 नए मामले

पोर्ट ब्लेयर। कोरोना वायरस के प्रकोप से अंडमान और निकोबार द्वीप भी अछूता नहीं रहा है, यहां लगातार कोरोना के मामले सामने आ रहे हैं। पिछले 24 घंटो में द्वीप में नए 35 मामले दर्ज किए गए हैं। इसके बाद कुल संक्रमितों का आंकड़ा 3,292 तक पहुंच गया है। वहीं मरनेवालों की संख्या 50 तक पहुंच गई है। बता दें कि देश में प्रत्येक दिन कोरोना वायरस के रिकॉर्ड मामले सामने आ रहे हैं। शनिवार को देशभर में करीब 90 हजार नए मामले सामने आए। इसके बाद संक्रमितों का आंकड़ा 41 लाख को पार कर गया है।वहीं, दूसरी ओर अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह पर रहने वाले दुर्लभ आदिवासी समुदाय ग्रेट अंडमानीज के बीच भी कोरोना का संक्रमण पहुंच गया है। स्वास्थ्य निदेशालय के उप निदेशन अभिजीत रॉय ने कहा कि इन आदिवासी समुदाय के बीच कोरोना संक्रमण पहुंचा वाकई चिंता की बात है, अभी तक 5 आदिवासियों में कोरोना के लक्षण देखें गए है उन्हें आइसोलेट किया जा रहा है। जिनमें से 1 महिला और 4 पुरुष हैं।

द्विपक्षीय संबंधों और क्षेत्रीय सुरक्षा मुद्दों पर राजनाथ सिंह ने ईरानी समकक्ष से की बातचीत

तेहरान। देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को ईरानी रक्षा मंत्री ब्रिगेडियर जनरल आमिर हतामी के साथ मुलाकात को सकारात्मक बताते हुए कहा कि इस दौरान द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने तथा अफगानिस्तान सहित क्षेत्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। राजनाथ सिंह शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में शामिल होने संबंधी अपनी तीन दिवसीय मॉस्को यात्रा के समापन के बाद लौटते हुए शनिवार को तेहरान पहुंचे थे। उन्होंने मॉस्को में रूसी, चीनी और मध्य एशियाई देशों के समकक्षों से द्विपक्षीय वार्ता की थी। सिंह ने ट्वीट किया कि तेहरान में ईरानी रक्षा मंत्री ब्रिगेडियर जनरल आमिर हतामी से 'अत्यंत सार्थक' मुलाकात हुई। हमने अफगानिस्तान सहित क्षेत्रीय सुरक्षा और द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा की।' रक्षा मंत्री के कार्यालय ने एक अन्य ट्वीट में ईरान के रक्षा मंत्री के अनुरोध पर शनिवार को हुई बैठक के बारे में कहा, 'दोनों रक्षा मंत्रियों ने द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने पर चर्चा की तथा अफगानिस्तान में शांति और स्थिरता सहित क्षेत्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।' इसने कहा कि दोनों मंत्रियों की बैठक बहुत ही 'सौहार्दपूर्ण और गर्मजोशी के माहौल' में हुई। दोनों नेताओं ने भारत और ईरान के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक, भाषायी और सभ्यतागत संबंधों पर जोर दिया। सिंह का ईरान दौरा इस मायने में महत्वपूर्ण है कि उन्होंने यह दौरा फारस की खाड़ी के हालात पर भारत की चिंता व्यक्त करते हुए और क्षेत्र के सभी देशों से बातचीत के जरिए पारस्परिक सम्मान के आधार मतभेदों को दूर करने का आह्वान करने के एक दिन बाद किया है। फारस की खाड़ी में हाल के हफ्तों में ईरान, अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात से संबंधित कई घटनाएं हुईं जिससे इलाके में तनाव बढ़ा है। मॉस्को में शुक्रवार को एससीओ की बैठक को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा, 'हम फारस की खाड़ी में उत्पन्न हालात को लेकर बहुत चिंतित हैं।' उन्होंने एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक को संबोधित करते हुए कहा, 'हम इलाके के देशों को जो सभी भारत के प्रिय और मित्र हैं- पारस्परिक सम्मान के आधार पर, संप्रभुता और एक-दूसरे के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करने के सिद्धांत पर बातचीत के जरिए विवादों को सुलझाने का आह्वान करते हैं।' उल्लेखीनीय है कि पिछले महीने ईरानी नौसेना ने कुछ समय के लिए लाइबेरिया के ध्वज वाले तेल टैंकर पर कब्जा कर लिया था, जिसके बारे में अमेरिका का कहना था कि यह हॉरमुज जलमरूमध्य के नजदीक अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में था। यह जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और दक्षिण एवं अरब की खाड़ी से जोड़ता है। ईरान ने धमकी दी थी कि अगर उसके परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका तेहरान की अर्थव्यवस्था पर चोट पहुंचाने के लिए प्रतिबंध लगाता है (हालांकि, अमेरिका प्रबंध लगा चुका है) तो वह हॉरमुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले तेल टैंकरों के मार्ग को बाधित कर देगा।

वेब पत्रकारिता का बढ़ता क्रेज

जिस प्रकार अखबारों, पत्रिकाओं में खबरों के चयन, संपादन या लेखक होते हैं. यही कार्य इंटरनेट पर किया जाता है. हर व्यक्ति तेजी से खबरें चाहता है. युवाओं की भी पसंद इंटरनेट बनता जा रहा है. पहले जहां इंटरनेट कम्प्यूटर तक सीमित था, वहीं नई तकनीकों से लैस मोबाइलों में भी इंटरनेट का चलन बढ़ता जा रहा. किसी भी जगह कहीं भी इंटरनेट का इस्तेमाल किया जा सकता है. यह वेब पत्रकारिता का ही कमाल है कि आप दुनिया के किसी भी कोने में बैठकर किसी भी भाषा में किसी भी देश का अखबार या खबरें पढ़ सकते हैं.

वेब पत्रकारिता.वेब पत्रकारिता को हम इंटरनेट पत्रकारिता, ऑनलाइन पत्रकारिता, सायबर पत्रकारिता आदि नाम से जानते हैं. जैसा कि वेब पत्रकारिता नाम से स्पष्ट है यह कंप्यूटर और इंटरनेट के सहारे संचालित ऐसी पत्रकारिता है जिसकी पहुँच किसी एक पाठक, एक गाँव, एक प्रखंड, एक प्रदेश, एक देश तक नहीं बल्कि समूचा विश्व है और जो डिजिटल तंरगों के माध्यम से प्रदर्शित होती है. भारत में बढ़ते संचार साधनों से पत्रकारिता के क्षेत्र में भी करियर के अवसर उजले हुए हैं. दिनोदिन समाचार चैनलों, अखबारों की संख्या बढ़ती जा रही है.

पत्रकारित्रा पहले जहां अखबारों, पुस्तकों में हुआ करती थी, वहीं इंटरनेट के बढ़ते प्रचलन के बीच वेब पत्रकारिता का जन्म हुआ. इंटरनेट बढ़ते समाचार पोर्टलों से वेब पत्रकारिता में योग्य पत्रकारों की मांग बनी रहती है.

जिस प्रकार अखबारों, पत्रिकाओं में खबरों के चयन, संपादन या लेखक होते हैं. यही कार्य इंटरनेट पर किया जाता है. हर व्यक्ति तेजी से खबरें चाहता है. युवाओं की भी पसंद इंटरनेट बनता जा रहा है. पहले जहां इंटरनेट कम्प्यूटर तक सीमित था, वहीं नई तकनीकों से लैस मोबाइलों में भी इंटरनेट का चलन बढ़ता जा रहा. किसी भी जगह कहीं भी इंटरनेट का इस्तेमाल किया जा सकता है. यह वेब पत्रकारिता का ही कमाल है कि आप दुनिया के किसी भी कोने में बैठकर किसी भी भाषा में किसी भी देश का अखबार या खबरें पढ़ सकते हैं. यहां कार्य में भी तेजी होनी चाहिए. खबर लिखकर उसका संपादन ही नहीं, बल्कि लगातार उसे अपडेट भी करना पड़ता है. वेब पत्रकारिता में बहुत अधिक संभावनाएं हैं. इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए खबरों को समझकर उन्हें प्रस्तुत करने की कला, तकनीकी ज्ञान, भाषा पर अच्छी पकड़ होना आवश्यक है. न्यूज पोर्टल के रूप में स्वतंत्र रूप से कार्य करने वाली साइटों की संख्या भारत में कम हैं.

ऐसी साइटों की संख्या ज्यादा है जो अपने वेब के लिए सामग्री अपने चैनलों या अखबारों से लेती हैं. स्वतंत्र न्यूज पोर्टल में वेब पत्रकार बनकर आप करियर बना सकते हैं. खेल, साहित्य, कला जैसी साइटों पर करियर की उज्जवल संभावनाएं रहती हैं. मास कम्यूनिकेशन या जर्नलिज्म में डिप्लोमा या डिग्री लेकर आप इस क्षेत्र में करियर बना सकते हैं.

प्रिंट मीडिया से यह इस रूप में भी भिन्न है क्योंकि इसके पाठकों की संख्या को परिसीमित नहीं किया जा सकता. इसकी उपलब्धता भी सार्वत्रिक है. इसके लिए मात्र इंटरनेट और कंप्यूटर, लैपटॉप, पॉमटॉप या अब मोबाईल की ही जरूरत होती है. इंटरनेट के ऐसा माध्यम से वेब-मीडिया सर्वव्यापकता को भी चरितार्थ करती है जिसमें ख़बरें दिन के चौबीसों घंटे और हफ़्ते के सातों दिन उपलब्ध रहती हैं. वेब पत्रकारिता की सबसे खासियत है उसका वेब यानी तंरगों पर घर होना. अर्थात् इसमें उपलब्ध किसी दैनिक, साप्ताहिक, मासिक पत्र-पत्रिका को सुरक्षित रखने के लिए किसी किसी आलमीरा या लायब्रेरी की जरूरत नहीं होती. समाचार पत्रों और टेलिविज़न की तुलना में इंटरनेट पत्रकारिता की उम्र बहुत कम है लेकिन उसका विस्तार तेज़ी से हुआ है. वाले दिनों में इसका विस्तार बेतार पत्रकारिता यानी वायरलेस पत्रकारिता में होगा जिसकी पहल कुछ मोबाइल कंपनियों द्वारा शुरू भी की जा चुकी है. ऑनलाइन पत्रकारिता में मल्टीमीडिया का प्रयोग होता है जिसमें, टैक्स्ट, ग्राफिक्स, ध्वनि, संगीत, गतिमान वीडियो, थ्री-डी एनीमेशन, रेडियो ब्रोडकास्टिंग, टीव्ही टेलीकास्टिंग प्रमुख हैं. और यह सब ऑनलाइन होता है, यहाँ तक कि पाठकीय प्रतिक्रिया भी. कहने का वेब मीडिया में मतलब प्रस्तुतिकरण और प्रतिक्रियात्मक गतिविधि एवं सब कुछ ऑनलाइन होता है. परंपरागत प्रिंट मीडिया एट ए टाइम संपूर्ण संदर्भ पाठकों को उपलब्ध नहीं करा सकता किन्तु ऑनलाइन पत्रकारिता में वह भी संभव है.

एजुकेशन लोनः सच होंगे सपने

अच्छे अंक लेकर उत्तीर्ण होने के बाद कभी-कभी उच्च शिक्षा का सपना देखने वाले छात्रों के सामने पढ़ाई का खर्च सबसे बड़ी रुकावट बन जाता है। ऐसे में एजुकेशन लोन एक बड़ा सहारा होता है। एजुकेशन लोन पर विस्तार से बता रहे हैं प्रसन्नअब कुछ ही दिन बाद कॉलेजों में दाखिले की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। पर संस्थानों की महंगी फीस को लेकर कई छात्र चिंतित होंगे। अगर आप भी कॉलेज की फीस को लेकर परेशान हैं तो चिंता छोड़िए, क्योंकि बैंकों द्वारा दिए जाने वाला एजुकेशन लोन आपकी इस चिंता का बेहतर समाधान है।

कोर्स और लोन

सामान्य बैचलर व मास्टर डिग्री कोर्सेज से लेकर इंजीनियरिंग, मेडिकल, मैनेजमेंट, लॉ, फैशन टेक्नोलॉजी समेत तमाम तरह के टेक्निकल, प्रोफेशनल व ट्रेडिशनल मान्य कोर्सेज के लिए आसानी से बैंक लोन मिल जाता है। दरअसल बैंकों ने देश में और विदेशों में पढ़ाई के लिए लोन देने के लिए कुछ मापदंड तय हैं, जिनके अंतर्गत आने वाले कोर्सेज में ही लोन मिल पाता है।

लोन लेने की योग्यता

अधिकांश बैंकों द्वारा बारहवीं उत्तीर्ण होने के बाद हायर एजुकेशन के लिए एजुकेशन लोन दिया जाता है। एजुकेशन लोन के लिए देश में भारतीय नागरिक होने के साथ-साथ यह जरूरी है कि छात्र का एडमिशन प्रवेश परीक्षा के माध्यम से, मेरिट या फिर कट ऑफ मार्क्स के आधार पर देश या विदेश के किसी मान्यताप्राप्त संस्थान के टेक्निकल, प्रोफेशनल या किसी अन्य मान्यताप्राप्त कोर्स में हुआ हो। कट ऑफ मार्क्स के आधार पर एडमिशन होने की स्थिति में क्वालिफाइंग एग्जाम में सामान्य छात्रों के न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक और एससी, एसटी छात्रों के न्यूनतम 50 फीसदी अंक होने जरूरी हैं।

लोन की राशि

अधिकांश बैंकों द्वारा देश में पढ़ाई के लिए 10 लाख रुपए तक का लोन दिया जाता है। कुछ बैंकों द्वारा आईआईटी, आईआईएम जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में नामांकन होने की स्थिति में इससे ज्यादा का लोन भी मिल सकता है। देश में बिना किसी मार्जिन के चार लाख रुपए तक का लोन आसानी से मिल जाता है, जबकि चार लाख से ज्यादा लोन 5 प्रतिशत मार्जिन पर दिया जाता है। विदेश में पढ़ाई के लिए 20 लाख रुपए तक का लोन मिलता है। विदेशों में पढ़ाई के लिए लोन लेने पर चार लाख से ज्यादा की राशि होने पर 15 प्रतिशत मार्जिन पर लोन दिया जाता है। मतलब कि लोन के लिए सेंक्शन हुई राशि में से 5 प्रतिशत या 15 प्रतिशत जो भी मार्जिन हो, उसे बैंक अपने पास बतौर सिक्योरिटी रख कर बची हुई राशि छात्रों को देते हैं। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया 30 लाख रुपए तक का एजुकेशन लोन देता है।

ब्याज दरें

सामान्य तौर पर अधिकांश बैंक 11 से 15 प्रतिशत सालाना दर से बैंक लोन देते हैं। प्राइवेट बैंकों में यह दर कुछ अधिक हो सकती है। अधिकांश बैंक लड़कियों को एजुकेशनल लोन में 0.5 प्रतिशत की छूट भी देते हैं।

इनके लिए भी लोन

एजुकेशन लोन के तहत कॉलेज फीस के साथ-साथ हॉस्टल फीस, एग्जाम फीस, लाइब्रेरी फीस, लेबोरेट्री फीस, बुक, इक्विपमेंट्स, इंस्ट्रूमेंट्स, यूनिफॉर्म, कॉशन डिपॉजिट, बिल्डिंग फंड, रिफंडेबल डिपॉजिट, ट्रेवल एक्सपेंस, पैसेज मनी आदि के लिए भी लोन मिल जाता है। यदि कोर्स के लिए अनिवार्य व अति आवश्यक हो तो कम कीमत पर मिलने वाले कंप्यूटर खरीदने के लिए भी राशि मिल सकती है। इसके अलावा स्टडी टूर, प्रोजेक्ट वर्क, थीसिस जैसे अन्य जरूरी कार्यों के लिए भी राशि मिल सकती है।

क्या लोन के लिए गारंटर चाहिए?

सामान्य तौर पर चार लाख रुपए तक का लोन लेने पर किसी गारंटी की जरूरत नहीं होती, सिर्फ पेरेंट्स या गार्जियन के सिग्नेचर और उनकी आर्थिक स्थिति को देख कर ही लोन सेंक्शन हो जाता है। चार लाख से साढ़े सात लाख का लोन लेने पर किसी सक्षम रिश्तेदार या जानकार व्यक्ति का गारंटर बनना जरूरी है, वहीं साढ़े सात लाख से ज्यादा का एजुकेशन लोन होने पर कोलेटरल सिक्योरिटी अर्थात जितनी राशि लोन ली जा रही है, उतनी राशि के प्रॉपर्टी के कागजात या ज्वेलरी आदि बहुमूल्य वस्तुएं बैंक के पास जमा करानी होंगी।

जरूरी दस्तावेज

लोन लेने के वक्त कुछ जरूरी दस्तावेज होने जरूरी है। बैंक द्वारा निर्धारित फॉर्मेट के एजुकेशन लोन फॉर्म को भर कर उसके साथ पासपोर्ट साइज फोटो, एड्रेस प्रूफ, एज सर्टिफिकेट, क्वालिफाइंग एग्जाम की मार्क्सशीट, जिस संस्थान में नामांकन लिया है, वहां से जारी एडमिशन लेटर, कॉलेज प्रॉस्पेक्टस, जिसमें एडमिशन फी, कॉलेज फी, एग्जाम फी, हॉस्टल फी जैसे सभी तरह के शुल्कों का स्पष्ट विवरण हो, देने पड़ते हैं। इसके अलावा पेरेंट्स या गार्जियन की संपत्ति व देनदारी का विवरण भी होयदि लोन कोलेटरल सिक्योरिटी पर लिया जा रहा हो तो संबंधित प्रॉपर्टी के कागजात और उसका वैल्यूएशन सर्टिफिकेट भी जरूरी है। विदेशों में नामांकन के लिए लोन की स्थिति में पासपोर्ट और वीजा की फोटोकॉपी की जरूरत पड़ती है।

लोन लेने से पहले ध्यान दें

पूरी जानकारी जुटाएं- अगर आप एजुकेशन लोन लेने की सोच रहे हैं तो लोन लेने से पहले लोन से संबंधित सभी तरह की अहम जानकारियों के बारे में जरूर पता कर लें, ताकि भविष्य में जब लोन चुकाना हो तो किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

ब्याज दरों की तुलना करें- सभी बैंकों की ब्याज दरों को देख लें और जांच लें, क्योंकि सभी बैंकों में एक समान ब्याज दरें नहीं होतीं। अगर आप ब्याज दरों की तुलना कर लेंगे तो कम ब्याज दर पर आपको लोन मिल सकता है। इसके लिए बैंकों की वेबसाइट पर जाकर उनके इंटरस्ट रेट को पता कर सकते हैं।

कुछ वेबसाइट ऐसी भी हैं, जहां पर बैंक लोन की तुलना की जा सकती है।

कितने समय में लोन मिलेगा- बैंकों में यह पता कर लें कि कितने समय में लोन सेंक्शन हो पाएगा, क्योंकि कई बार बैंकों द्वारा लोन सेंक्शन करने में काफी समय लगा दिया जाता है। ऐसे में कहीं ऐसा न हो कि जब तक आपको लोन मिले, तब तक काफी देर हो गई हो और कॉलेज में आपका प्रवेश ही मुश्किल हो जाए।

रिपेमेंट टाइम- सभी बैंकों का रिपेमेंट टाइम अर्थात लोन लौटाने का समय अलग-अलग होता है। ऐसे में रिपेमेंट टाइम की पहले से जानकारी होगी तो डिग्री पूरी होने के बाद लोन की राशि लौटना आपके लिए आसान रहेगा।

अन्य शुल्क- बैंकों के बेस रेट और एजुकेशनल लोन इंटरस्ट रेट में फर्क होता है, ऐसे में आप इस फर्क को समझें। साथ ही यह भी पता कर लें कि इंटरस्ट रेट फिक्स्ड है या नहीं और इंटरस्ट रेट के अलावा सर्विस टैक्स या किसी अन्य तरह का कोई और चार्ज तो नहीं है।

समुद्र में डूबी नगरी, केवल भगवान का मन्दिर नहीं डुबा

गुजरात के पश्चिम में स्थित है जगत मंदिर यानि द्वारकाधीश मंदिर। जो लगभग 2,500 साल पुराना है। भगवान कृष्ण के जीवन से सम्बन्ध होने के कारण इसका विशेष महत्व है। 5000 वर्ष पूर्व भगवान कृष्ण ने मथुरा छोड़ने के बाद द्वारका नगरी बसाई थी। यह स्थान यादवों की राजधानी थी। श्री कृष्ण के अन्तर्धान होने के पश्चात प्राचीन द्वारकापुरी

समुद्र में डूब गई। केवल भगवान का मन्दिर समुद्र ने नहीं डुबाया। जहां श्रीकृष्ण का महल था उसी स्थान पर द्वारकाधीश मंदिर स्थित है। आदि शंकराचार्य जी द्वारा निर्मित देश के चार धामों में से द्वारका नगरी भी एक है। द्वारका नगरी को सप्तपुरियों में भी महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है। माना जाता है कि यहां पर मूल मंदिर श्री कृष्ण के प्रपौत्र वज्रनाभ जी ने बनवाया था। अक्ररूर जी कंस के विवश करने पर श्री कृष्ण और बलराम जी को नंद गांव से मथुरा लेकर आए थे। दोनों भाईयों ने मथुरा आकर बहुत से राक्षसों का सर्वनाश किया। जब कंस को सभी तरफ से हताशा और निराशा झेलनी पड़ी तो वह स्वयं मैदान में उतरा कंस और श्री कृष्ण में युद्ध हुआ। श्री कृष्ण ने कंस का वध किया और अपने माता- पिता तथा नाना को बंधी ग्रह से मुक्त करवाया। कंस के मरणोपरांत अग्रसेन जी ने पुन- मथुरा की भागदौड़ संभाली। जरासंघ कंस का ससुर था। अपने जमाई की मृत्यु का बदला लेने के लिए जरासंघ ने मथुरा पर 18 बार आक्रमण किया। अंतत- बार-बार मथुरा वासियों को हानि न हो श्रीकृष्ण ने अपने सजातियों को मथुरा छोड़ देने पर राजी कर लिया। वे सब मथुरा छोड़कर रैवत पर्वत के समीप कुशस्थली पुरी (द्वारिका) में जाकर बस गए। श्री कृष्ण जगत भलाई के लिए रण छोड़ कर भागे थे इसलिए उन्हें यहां रणछोड़ जी भी कहा जाता है।

समस्त परेशानियों का अंत करेगा हनुमान मंत्र

परम पूज्य हनुमान जिन्हें इस दौर के महान देवता माना जाता है ।इन्हें भगवान शिव का अवतारी स्वरूप माना जाता है जिस कारण यह मनुष्य के समस्त संकटों को हर लेते हैं और मनुष्य की बुरे वक्त में रक्षा कर सुख स्मृद्धि प्रदान करते हैं । मनुष्य को अपने जीवन में कई समस्याओं का सामना करना पड़ता हैं जिनसे बाहर निकलने का रास्ता उन्हें नहीं मिलता तब हनुमान जी के निम्न मंत्र का जाप करने से समस्त परेशानियों का अंत हो जाता हैं ।शिव मंदिर में जाकर निम्न हनुमान मंत्र का रुद्राक्ष की माला से जाप करें ।मान्यता है कि मंगलवार को हनुमान जी का ध्यान करने से समस्त संकटों को टाला जा सकता है और प्रत्येक मनोकामना की पूर्ति हो जाती है । आदिदेव नमस्तुभ्यं सप्तसप्ते दिवाकर! त्वं रवे तारय स्वास्मानस्मात्संसार सागरात!!

न्यूयार्क में अमेरिकी ओपन टेनिस में बैकहैंड शॉट लगाती हुई मारिया सकारी।

अजीम के नस्लवाद के आरोपों पर भड़के यार्कशर के चेयरमैन

लंदन। यार्कशर दक्षिण प्रीमियर लीग के चेयरमैन रोजर पग ने इंग्लैंड के पूर्व अंडर-19 कप्तान अजीम रफीक के काउंटी टीम पर लगाये गये नस्लभेद के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा है कि अजीम एक असभ्य तरीके के खिलाड़ी थे जिनसे निपटना बेहद कठिन था। इसलिए टीम से उन्हें हटाया गया। इससे पहले पाक मूल के इस क्रिकेटर ने आरोप लगाया था कि काउंटी टीम में रहने के दौरान उनके साथ नस्लभेद हुआ था जिससे परेशान होकर ही वह खुदकुशी तक करना चाहते थे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि क्लब में सभी उनके साथ बाहरी व्यक्ति की तरह पेश आते थे। अब रोजर ने कहा कि रफीक ही अकेले ऐसे खिलाड़ी है जिसे यार्कशर में रहने के दौरान परेशानी हुई अन्य को नहीं। उन्होंने कहा कि अजीम ने जिस प्रकार से नस्लवादी होने के आरोप लगाये हैं निश्चित रूप से मैं इन आरोपों पर टिप्पणी करने की स्थिति में नहीं हूं पर मुझे हैरानी नहीं है कि ये आरोप उसने लगाये हैं। उन्होंने लिखा, ''मेरा अंपायर और प्रशासक के तौर पर पर अजीम से संपर्क था और मैंने पाया कि उससे निपटना बहुत मुश्किल था क्योंकि वह बहुत ही असभ्य खिलाड़ी था।'' साथ ही कहा कि वहीं एकमात्र खिलाड़ी था जिससे सभी को परेशानी थी। यहां तक कि अंपायरों भी उससे परेशान हो गये थे।

अमेरिकी ओपन के चौथे दौर में सेरेना, मेदवेदेव सहित कई शीर्ष खिलाड़ी

न्यूयॉर्क । अमेरिका की महिला टेनिस स्टार सेरेना विलियम्स, डेनिल मेदवेदेव सहित कई अन्य शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अमेरिकी ओपन टेनिस के चौथे दौर में पहुंच गये हैं। सेरेना ने महिला एकल वर्ग के एक कड़े मुकाबले में अपने ही देश की पूर्व विजेता स्लोएन स्टीफंस को हराकर चौथे दौर में जगह बनायी। सेरेना ने अंतिम 12 में से 10 गेम जीतकर स्टीफंस को 2-6, 6-2, 6-2 से पराजित किया। इस मैच में सेरेना की तीन साल की बेटी ओलंपिया भी अपने पिता की गोद में बैठी हुई थी। अब अगले दौर में सेरेना का सामना यूनान की मारिया सकारी से होगा। एक अन्य मुकाबले में सकारी ने अमेरिका की युवा खिलाड़ी अमांडा एनिसिमोवा को 6-3, 6-1 से हराया। वहीं महिला वर्ग के ही अन्य मुकाबलों में एलिस मर्टेन्स, कैरोलिन मुकोवा और स्वेताना पिरोनकोवा भी जीत के साथ ही अगले दौर में पहुंच गयी हैं। स्वेताना ने डोना वेकिच को 6-4, 6-1 से हराया। वहीं दूसरी ओर पुरुष वर्ग में मेदवेदेव और मतियो बेरेटनी भी जीत के साथ ही अगले दौर में पहुंच गये हैं। एंड्रे रूबलोव, 15वें वरीय फेलिक्स आगर एलिसिम, 21वें वरीय एलेक्स डि मिनोर और वासेक सपिसिल ने भी चौथे दौर में जगह पक्की की है। पोसपिसिल ने रोबर्टो बातिस्ता आगुत को 7-5, 2-6, 4-6, 6-3, 6-2 से हराया।

अमेरिकी ओपन : बोपन्ना-शापोवालोव की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में पहुंची

न्यूयॉर्क। भारत के अनुभवी खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और कनाडा के उनके जोड़ीदार डेनिस शापोवालोव की जोड़ी अमेरिकी ओपन टेनिस के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गयी है। बोपन्ना और शापोवालोव ने पुरुष युगल के दूसरे दौर के एक संघर्षपूर्ण मुकाबले में जर्मनी के केविन क्राविट्ज और आंद्रियास मिएस की जोड़ी को हराया। भारतीय और कनाडाई खिलाड़ी की इस गैरवरीयता प्राप्त जोड़ी ने पहला सेट हारने के बाद शानदार वापसी करते हुए जर्मनी की जोड़ी को ड़ेढ़ घंटे से अधिक समय तक चले मुकाबले में 4-6 6-4 6-3 से हराया। अब क्वार्टर फाइनल में बोपन्ना और शापोवालोव की जोड़ी का सामना जीन जूलियन रोजर और होरिया तेकाऊ की जोड़ी से होगा। सुमित नागल और दिविज शरण के बाहर होने के बाद बोपन्ना ही अमेरिकी ओपन में अब भारत की एकमात्र उम्मीद हैं। नागल एकल वर्ग के दूसरे दौर में जबकि दिविज और उनके सर्बियाई जोड़ीदार निकोला केसिच पुरुष युगल के पहले दौर में ही हार गये थे।

मनप्रीत की तरह बनना चाहते हैं हार्दिक

बेंगलुरू। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मिडफील्डर हार्दिक सिंह ने कहा है कि आने वाले दिनों में वह कप्तान मनप्रीत सिंह जैसे खिलाड़ी बनना चाहते हैं। हार्दिक ने अब तक केवल 37 ही मैच खेले हैं पर उन्होंने भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई है। हार्दिक एफआईएच पुरुष सीरीज फाइनल्स 2019 की स्वर्ण पदक विजेता टीम में भी शामिल रहे हैं। इसके साथ ही वह उस भारतीय टीम का भी हिस्सा रहे थे जिसने पिछले साल एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर में रूस को हराया था। उन्होंने कहा, 卐 ओलंपिक तक आने वाले दिन हम सभी के लिए बहुत अहम होने जा रहे हैं। मैं इस बात से बहुत खुश हूं कि मैं एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर में टीम के लिए प्रदर्शन कर सकता हूं हालांकि, मैं बहुत अधिक बेहतर खिलाड़ी बनने और ओलंपिक के लिए भारतीय टीम में नियमित सदस्य बनने के लिए बहुत उत्साहित हूं। मैं अपने खेल पर पिछले कुछ महीनों में अपनी क्षमता के अनुसार काम कर रहा हूं और मुझे पूरा विश्वास है कि मेरी मेहनत एक दिन जरूर सफल होगी।卐 हार्दिक ने कहा कि मिडफील्ड में कप्तान मनप्रीत सिंह के साथ खेलने का मौका मिलने से वह अपने को भाग्यशाली मानते हैं और आने वाले दिनों में उन्हीं की तरह बनने का प्रयास करेंगे।

आईएसएल में बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार है हैदराबाद एफसी : मारक्केज

कोलकाता। हैदराबाद एफसी के नए कोच स्पेन के मैनुएल मारक्वेज ने कहा है कि इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) फुटबॉल की उनकी टीम लीग के आगामी सातवें सत्र में बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार हैं। हैदराबाद ने मारक्वेज को हाल ही में अल्बर्ट रोका की जगह अपना नया मुख्य कोच बनाया है। इससे पहले मारक्वेज एफसी बार्सीलोना के स्टाफ में थे। मारक्वेज साल 2020-2021 सत्र के अंत तक एक के लिए एफसी के मुख्य कोच बने हैं। वह स्पेन की ला लीगा और क्रोएशिया के शीर्ष क्लबों के साथ रहे हैं। मारक्वेज ने कहा, जब आप एक नए क्लब में पहुंचते हैं, तो हमेशा एक बड़ी जिम्मेदारी होती है। इस मामले में, यह काफी चुनौतीपूर्ण होता है पर मुझे पता है कि हैदराबाद में यह परियोजना वास्तव में क्या है और इसलिए हम सत्र के लिए तैयार हैं। हैदराबाद एफसी की टीम ने पिछले सत्र में लीग में अपना पदार्पण किया पर टीम 18 मैचों से केवल 10 अंक ही हासिल कर पाई थी और वह 10 टीमों की अंकतालिका में सबसे नीचे थी। मारक्वेज ने कहा, मुझे दबाव पसंद है। यदि आपके पास दबाव है, तो इसका मतलब है कि आप एक बड़ी चुनौती के लिए तैयार हैं और मुझे भरोसा है कि हमारा काम अच्छा होगा।

सबसे बड़े जापानी बैंक ने अडाणी रीयल्टी से बीकेसी में 30 हजार वर्ग फुट जगह पट्टे पर ली

मुंबई। सबसे विशाल जापानी बैंक एमयूएफजी ने बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में अडाणी रीयल्टी के व्यावसायिक भवन में 30,000 वर्ग फुट जगह 90 करोड़ रुपये में 10 साल के पट्टे (लीज) पर ली है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। बैंक ने 1953 में मुंबई में अपना परिचालन शुरू किया था। बैंक का मुख्यालय कई साल तक नरीमन पॉइंट पर था। अब बैंक अपने मुख्यालय को बीकेसी में स्थानांतरित कर रहा है। जापान में इस बैंक की स्थापना 1919 में हुई थी। बैंक 2004 में मुंबई के केंद्रीय वित्तीय केंद्र नरीमन पॉइंट में स्थानांतरित हुआ था। एक सूत्र ने बताया कि बैंक ने अडाणी रीयल्टी के व्यावसायिक भवन अडाणी एस्पायर में करीब 30,000 वर्ग फुट जगह पट्टे पर ली है।

रिजर्व बैंक ने बैकों के लिए ऑडिट नियमों में किया बदलाव

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने संशोधित विस्तृत ऑडिट रिपोर्ट (एलएफएआर) नियम जारी कर ?दिए हैं। इसका मकसद आंतरिक ऑडिट और जोखिम प्रबंधन प्रणाली में सुधार करना है। रिजर्व बैंक ने कहा कि एलएफएआर में संशोधन बैंकिंग परिचालन के आकार, जटिलताओं, कारोबारी मॉडल में हुए व्यापक बदलावों की वजह से किया गया है। एलएफएआर सांविधिक केंद्रीय ऑडिटरों तथा बैंक के शाखा ऑडिटरों पर लागू होता है। केंद्रीय बैंक ने कि संशोधित एलएफएआर को 2020-21 तथा उससे आगे की अवधि के लिए परिचालन में रखा जाएगा। आरबीआई ने बैंकों को यह भी निर्देश दिया है कि वे अपने आडिटरों से एलएफएआर समय से प्राप्त करें। नए नियमों के तहत बैंक को अपने आडिटर से प्राप्त एलएफएआर को उस पर अपने निदेशक मंडल की टिप्पणी और दिशानिर्देश संबंधित एजेंडा नोट के साथ रिजर्व बैंक के पास भेजना जरूरी होगा। एलएफएआर में कर्ज जोखिम, बाजार जोखिम के क्षेत्रों, वीमा, गारंटी संबंधी कार्य और परिचालन जोखिम, पूंजी पर्याप्तता, कारोबार की दर्शा और नकद धन के जोखिम के आकलन जैसे बिंदुओं को भी शामिल करना होगा।

सबसे बड़े जापानी बैंक ने अडाणी रीयल्टी से बीकेसी में 30 हजार वर्ग फुट जगह पट्टे पर ली

मुंबई। सबसे विशाल जापानी बैंक एमयूएफजी ने बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में अडाणी रीयल्टी के व्यावसायिक भवन में 30,000 वर्ग फुट जगह 90 करोड़ रुपये में 10 साल के पट्टे (लीज) पर ली है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। बैंक ने 1953 में मुंबई में अपना परिचालन शुरू किया था। बैंक का मुख्यालय कई साल तक नरीमन पॉइंट पर था। अब बैंक अपने मुख्यालय को बीकेसी में स्थानांतरित कर रहा है। जापान में इस बैंक की स्थापना 1919 में हुई थी। बैंक 2004 में मुंबई के केंद्रीय वित्तीय केंद्र नरीमन पॉइंट में स्थानांतरित हुआ था। एक सूत्र ने बताया कि बैंक ने अडाणी रीयल्टी के व्यावसायिक भवन अडाणी एस्पायर में करीब 30,000 वर्ग फुट जगह पट्टे पर ली है।

पाम तेल में गिरावट, डीओसी के दाम घटने से सोयाबीन दाना कमजोर

नई दिल्ली देश में कुछ तेल आयातकों के बेपरता कारोबार के कारण बीते सप्ताह दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में कच्चे पाम तेल (सीपीओ) की कीमतों में गिरावट दर्ज हुई जबकि तेल रहित खल (डीओसी) के दाम घटने से सोयाबीन दाना और लूज के भाव में भी गिरावट आई। बाजार के जानकार ने कहा कि देश में कुछ आयातक बैंकों में अपने साख पत्र को घुमाते रहने के लिए विदेशों से पाम तेल (सीपीओ) की जानबूझकर महंगे दाम पर खरीद करते हैं और देश में मांग न होने के कारण सस्ते में इसकी बिक्री कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को इस बात को ध्यान में लेते हुए बैंकों के पैसों के बल पर ऐसे बेड्डुपरता कारोबार करने वालों पर अंकुश लगाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ये कारोबारी देशी तेलों का भाव तोड़ने में अहम भूमिका निभा रहे हैं और सरकार ने इनपर लगाम नहीं कसी, तो देश आत्मनिर्भरता की राह पर नहीं बढ़ पाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार को इस मामले की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से करानी चाहिए और देशी तिलहन किसानों के समृद्धि के रास्ते पर रोड़ा अटकाने वाले आयातकों पर अंकुश लगाना चाहिए। ये आयातक किसान एवं तेल उद्ययोग के विकास की राह में रोड़ा अटका रहे हैं और बैंकों की गैर-निष्पादक आस्तियां बढ़ा रहे हैं। देश का तेल उद्योग दोहरी मार का सामना कर रहा है। एक तो देश में बढ़ते सस्ते आयात के कारण मांग नहीं है दूसरा बेपरता कारोबार के कारण पाम तेल के भाव का अंतर 300 रुपए प्रति क्विन्टल हो गया है। ऐसी स्थिति के बीच सीपीओ की कीमत पिछले सप्ताहांत के मुकाबले 60 रुपए की हानि के साथ 7,540-7,590 रुपए प्रति क्विन्टल पर बंद हुई, जबकि पामोलीन दिल्ली और कांडला की तेलों की कीमतें क्रमशः 9,100 रुपए और 8,300 रुपए प्रति क्विन्टल पर अपरिवर्तित रहीं। उन्होंने बताया कि सहकारी संस्था नाफेड बहुत सोच समझ के साथ सरसों की बिकवाली कर रही है क्योंकि आगे त्योहारी मांग होने वाली है और अगली फसल आने में अभी सात-आठ महीने की देर है। व्यापारियों और तेल मिलों के पास सरसों का जरा भी स्टॉक नहीं है और इस तेल का विकल्प भी नहीं है। देश में किसानों और नाफेड के पास ही मूंगफली का भारी स्टॉक जमा है और इसकी नयी फसल अगले माह आने की संभावना है। जिसके कारण मूंगफली दाना सहित इसके तेल की कीमतों में गिरावट आई।

ग्वालियर
पुष्पांजली टुडे
सोमवार 7 सितम्बर 2020

नगर निगम ने झवेरी मार्केट के तलघर में की कार्यवाही

अवैध तलघरों के खिलाफ 25 दुकान विरोध के बाद भी तोड़ा

ग्वालियर। अवैध तलघरों के खिलाफ नगर निगम ने बीती रात को टोपी बाार में फिर कार्रवाई की। झवेरी मार्केट में तलघर में पार्किंग के बजाय 25 दुकानों का निर्माण कर दुकानदारों को बेच दिया था। निगम अमले ने पहले दुकानें खाली कराई फिर दीवारें तोड़कर उसे हॉल का रूप दे दिया। उसमें पार्किंग हो सकेगी या नहीं इंजीनियर इसका परीक्षण करेंगे। शनिवार को जब निगम के सहायक नगर निवेशक सतेन्द्र यादव, भवन अधिकारी राकेश कश्यप मदाखलत टीम को लेकर टोपी बाजार पहुंचे। पहले तो दुकानदारों ने विरोध किया जब अधिकारियों ने कहा कि विरोध करने पर शासकीय कार्य में बाधा का मामला दर्ज हो सकता है। यह सुनते ही दुकानदार पीछे हट गए और उन्होंने सामान निकालना शुरू कर दिया। दोपहर बार निगम अमले ने गैस कटर से शटर काटना शुरू कर दिए। 25 दुकानों में 32 शटर थे जिनमें से 24 को काट दिया। कुछ दुकानदारों ने स्वयं शटर काटने का भरोसा दिया। शटर कटते ही निगम अमले ने दीवारें तोड़ना शुरू कर दिया। शाम 6 बजे तक दीवारें गिरा दीं। शनिवार को ही निगम अमले ने विमला देवी, अनिल कुमार व सरलादेवी के स्वामित्व के भवन में तलघरों में बनी दुकानों को भी खाली कराने के बाद दीवारें खींचने के निर्देश दिए। दो दिन पहले निगम ने टोपी बाजार में ही हरनारायण क्रेन, यह हिंद बूट हाउस के तलघरों को खाली कराया था। दुकानदारों ने ईटों की दीवार खींचकर उन्हें बंद कर दिया पास में ही साबू मार्केट से सभी दुकानों के खाली होने और शटर कटने के बाद वहां दीवारें खड़ी कर दी। क्योंकि मार्केट में पार्किंग नहीं हो सकती थी।

युवक की मौत पर ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मामला दर्ज

ग्वालियर। जिले के चीनोर थाना क्षेत्र के ग्राम भौंरी में मुक्तिधाम के पास ट्रैक्टर का एक्सल टूट गया। इससे वह अनियंत्रित हो गया। इस ट्रैक्टर की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने जांच पड़ताल करने के बाद ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।जानकारी के अनुसार 45 वर्षीय फरियादी सत्येन्द्र पुत्र हरचरण किरार ने बताया कि विगत 10 अगस्त को दोपहर 12 बजे 20 वर्षीय उमेश पुत्र राजेन्द्र किरार निवासी श्यामपुर थाना आंतरी ग्राम भौरी के मुक्तिधाम के पास खड़ा होकर घर जाने के लिए वाहन का इंतजार कर रहा था। इसी बीच ग्राम कछौआ निवासी प्रमोद ट्रैक्टर क्रमांक एमपी 07- एबी- 7661 को लेकर मुक्तिधाम आ रहा था। अचानक ट्रैक्टर का एक्सल टूट गया। इससे ट्रैक्टर अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे खड़े उमेश को चपेट में ले लिया। इससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने जांच के बाद आरोपी ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

घर में लगी आग महिला झुलसी

ग्वालियर। शहर के कंपू क्षेत्र में स्थित आयुर्वेदिक कॉलेज के पास सुबह सम्मानित किया जायेगा बनाते समय एक मकान में आग लग गई इस घटना में महिला झुलस गई जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है वहीं दमकल ने आग पर काबू पा लिया है! जानकारी के अनुसार आयुर्वेदिक कॉलेज के पास रहने वाली उषा बाई सुबह खाना बना रही थी तभी सिलेंडर के पाइप से अचानक आग लग गई और आग की चपेट में आकर उषा बाई झुलस गई घटना की सूचना मिलते ही दमकल मौके पर आ गई और आग पर काबू पाया वही आग से झुलसी महिला को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करा दिया है!

बेटी रक्षा मंच संस्था में मुख्य अतिथि के रुप में पधारे पूर्व विधायक मुन्ना लाल गोयल व पूर्व महापौर समीक्षा गुप्ता ने

गौरवशाली सामाजिक संस्था को किया सम्मानित

अमित शर्मा

ग्वालियर। शानिवार को कोविड-19 में किए गए सराहनीय कार्य हेतु सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि पूर्व विधायक मुन्ना लाल गोयल पुर्व महापोर समीक्षा गुप्ता जी द्वारा लॉकडाउन के प्रथम दिनांक से जरूरतमंदों की हर संभव मदद करने हेतु गौरवशाली सामाजिक संस्था की अध्यक्ष अधिवक्ता शिल्पा डोगरा, पत्रकारिता धर्म को निभाने के लिए सचिव गौरवशाली सामाजिक संस्था वासुदेव मिश्रा, समाजसेवी सह सचिव अधिवक्ता बरखा श्रीवास्तव, नीलम कुशवाह के अलावा अध्यापक एव समाजसेवियों एवं कई कोरोना वीर योद्धाओं को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि मुन्ना लाल गोयल ने एव पुर्व महापोर श्री मति समीक्षा गुप्ता जी समाजसेवियों का आभार व्यक्त करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं

फ्लैट दिलाने के नाम पर सवा 5 लाख की ठगी

ग्वालियर। शहर के इंदरगंज थाना क्षेत्र में स्थित पाटणकर बाजार के पास रहने वाली चंद्रकला सऊदी 70 वर्ष के पास कुछ दिन पहले बिल्डर कन्हैयालाल आनंद आए और उनसे कहा कि एक फ्लैट सस्ती दरों पर है वह वह नहीं दिला सकते हैं इसके बाद कन्हैया लाल ने रवि कांत महेश्वरी से उनकी मुलाकात कराई और एक फ्लैट का सौदा 16 लाख में हो गया इसके बाद चंद्रकला ने उन्हें बयाने के तौर पर सवा 5 लाख रूपया एडवांस दे दिए! कुछ समय बीत जाने के बाद जब चंद्रकला ने कन्हैयालाल और रवि कांत से फ्लैट की रजिस्ट्री करने को कहा तो वह आनाकानी करने लगे चंद्रकला ने अपनी बयाने की रकम वापस मांगी तो वह भी नहीं दी इसके बाद महिला ने थाने में जाकर शिकायत कराई पुलिस ने जांच के बाद कन्हैया लाल तथा रवि कांत के खिलाफ ठगी का मामला दर्ज कर उनकी तलाश प्रारंभ कर दी है।

छात्रा ने प्यार से किया इनका तो युवक ने फेसबुक पर फर्जी आईडी बनाई

ग्वालियर। एक छात्रा ने मनचले का प्यार ठुकराया तो उसने फेसबुक पर फर्जी आईडी बनाकर बदनाम करना शुरू कर दिया। छात्रा राज्य साइबर सेल पहुंची। इस दौरान जांच कर पुलिस ने आरोपित को रविवार को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित ने बदला लेने के लिए कई दिन तक यू ट्यूब पर फर्जी आईडी बनाने के तरीके सीखे उसके बाद आईडी बनाई। जानकारी के अनुसर एसपी राज्य साइबर सेल सुधी अग्रवाल ने बताया कि गोला का मंदिर इलाका निवासी 16 वर्षीय छात्रा ने शिकायत की थी कि किसी ने उसे बदनाम करने के लिए फर्जी फेसबुक आईडी बनाई है। वह उसे बदनाम करने के लिए अश्लील फोटो उसके रिश्तेदार, दोस्तो को भेज रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल टीम बनाकर आरोपी की तलाश शुरू की गई। तभी पता चला कि आरोपी साइबर का जानकार है और अपनी पहचान छिपाने के लिए उसने फर्जी दस्तावेज और अन्य एप्लीकेशन का प्रयोग किया है। इसके बाद साइबर सेल ने आरोपी की फ्रेंड लिस्ट चेक की और उस तक पहुंची। आरोपित को रविवार को पकड़ने में सफलता पाई गई। पूछताछ में पकड़े गए आरोपित की पहचान मोहित सविता पुत्र मोहन सविता निवासी भारत मार्केट महाराजपुरा के रूप में हुई है।

शिवनाथ सिंह कुशवाह बने राष्ट्रीय संरक्षक

ग्वालियर। गऊ सेवा क्षेत्र में कार्य कर रही युवा जनकल्याण सेवा समिति ने संघठन को आगे बढ़ाने का फैसला इस माह की बैठक में लिया गया और साथ ही विस्तार करते हुये राष्ट्रीय नागेंद्र सिकरवार , पपाध्यक्ष हेमंत भदौरिया, पसचिव सुरजीत सिंह राजावत, सह सचिव शिवम भदौरिया, कार्यकारणी सदस्य संतोष शर्मा, अबदकिशोर शर्मा, शाहबाज खान की अनुशंसा पर श्री शिवनाथ सिंह कुशवाह जी के अच्छे कार्य एवं व्यक्तित्व को देखकर चार शहर का नाका हजीरा स्तिथ पी. एच. ई कॉलोनी कार्यालय स्तिथ उनको युवा जनकल्याण समिति संगठन के राष्ट्रीय संरक्षक नियुक्त किया जाता है आपको यह दायित्व देते हुए सभी सदस्यों को बड़ी खुशी हो रही है आशा करते हैं कि आप इस दायित्व का निर्वहन कुशलतापूर्वक करेंगे और सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे संगठन के सदस्य आपके उज्जवल भविष्य की कामना करते है आप इसी तरह निस्वार्थ भाव से कार्य करते रहें और आगे बढ़ते रहें। इसके साथ अनिल राठौर, सतेंद्र राजावत, मानवेन्द्र जादौन, ललित मराठा, शिवम भदौरिया, विवेक चौहान, नीरज जादौन, रवि प्रजापति, रोहित जादौन कई समिति के सदस्य मौजूद रहे।

सीएमओ से होगी 6 लाख की वसूली

ग्वालियर। श्योपुर जिले की विजयपुर नगर परिषद के तत्कालीन प्रभारी मुख्य नगरपालिका अधिकारी (मूल पद उपयंत्री) श्री अभय प्रताप सिंह चौहान द्वारा की गयी अनियमितताओं के कारण उनकी 2 वेतन वृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकने के आदेश दिये हैं। आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास श्री निकुंज कुमार श्रीवास्तव ने यह कार्रवाई की है। उन्होंने श्री चौहान के ऊपर नगरीय निकाय को हुई आर्थिक क्षति के लिये 6 लाख 12 हजार 969 रुपये की वसूली की शास्ति भी अधिरोपित की है।

शेष रहे प्रवासी श्रमिकों का पोर्टल पर पंजीयन आज से

ग्वालियर। पंजीयन से वंचित रहे प्रवासी श्रमिकों को पंजीयन करवाने का एक और अवसर देने का निर्णय राज्य शासन द्वारा लिया गया है। राज्य सरकार द्वारा प्रवासी श्रमिकों को उनके कौशल अनुरूप रोजगार प्रदान करने के लिये %रोजगार सेतु% पोर्टल बनाया गया है। इस पोर्टल पर शेष रहे प्रवासी श्रमिकों का 7 सितम्बर से पंजीयन शुरू होगा। पाँच दिवसीय अवधि के लिये प्रवासी श्रमिकों के पंजीयन की सुविधा रोजगार सेतु पोर्टल पर उपलब्ध कराई गई है। अर्थात शेष प्रवासी श्रमिक 11 सितम्बर तक पंजीयन करा सकेंगे। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने सभी संबंधित अधिकारियों को उन प्रवासी श्रमिकों का पंजीयन रोजगार सेतु पोर्टल पर करने के निर्देश दिये है, जो पोर्टल पर पंजीयन से वंचित रह गये है। प्रवासी श्रमिकों के

प्रवासी श्रमिक 11 सितंबर तक करा सकेंगे पंजीयन

पंजीयन के लिये जनपद पंचायतों एवं नगरीय निकायों द्वारा ऐसे प्रवासी श्रमिकों को सूचीबद्ध किया जाएगा। इस आशय का सत्यापन भी जिला स्तर पर किया जायेगा कि ये श्रमिक एक मार्च 2020 के बाद ही अन्य राज्यों से जिले में वापस लौटे हैं। साथ ही पूर्व अभियान के दौरान इनका पंजीयन रोजगार सेतु पोर्टल पर नहीं हो सका था। श्रमिकों के सूचीकरण और सत्यापन के बाद संबंधित निकाय द्वारा निर्धारित अवधि में अपने लॉगिन आई.डी. एवं पासवर्ड के माध्यम से पंजीकरण की कार्यवाही पूर्ण की जाएगी। ज्ञात हो कोरोना संकटकाल मे मध्यप्रदेश के मूल निवासी प्रवासी श्रमिक जो एक मार्च 2020 या उसके उपरांत मध्यप्रदेश लौटे थे। उनके लिये 27 मई से 6 जून के मध्य अभियान चलाकर रोजगार सेतु पोर्टल में पंजीयन किया गया था। ऐसे सभी प्रवासी श्रमिक जो ग्वालियर नगर निगम क्षेत्र में निवासरत हैं ।

खाद्यान्न पर्ची वितरण कार्यक्रम अब 16 सितम्बर को होगा

ग्वालियर। जिले में खाद्यान्न पर्ची वितरण कार्यक्रम की तिथि अपरिहार्य कारणों से बढ़ा दी गई है। प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत खाद्यान्न पर्ची वितरण कार्यक्रम जिले में अब 16 सितम्बर से प्रारंभ किया जायेगा। पूर्व में इस कार्यक्रम के लिये 7 सितम्बर की तिथि प्रस्तावित थी।

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

पुष्पांजली टुडे

क्लासिफाइड में अगले दिन प्रकाशित होने वाले विज्ञापन की बुकिंग सुबह 10 बजे से सांय 6 बजे तक

डिस्प्ले क्लासिफाइड 25/ रु Sq.Cm.
(Min. size 5×9)
कोर्ट नोटिस / आम सूचना साइज
12×5 - 2000 रु

नि:शुल्क
बच्चों के बर्थडे एवं शादी की सालगिरह श्रंद्धाजलि शोक संदेश उठावनी

संपर्क सूत्र : 8269307478,7999246560

प्रतिभा हम निखारेंगे

अगर आपके अंदर है कोई जज्बा तो उभर कर आइये आगे आपकी लिखी हुई कहानी लेख कविताओं को हम देंगे जगह, आपके अंदर की प्रतिभाओं को हम उभरेंगे। तो देर किस बात की अभी हमे भेंजे अपनी कविता,लेख,कहानी,या फिर देख की आर्थिक स्थिति या फिर स्वच्छता के ऊपर अपने विचार आप हमें व्हाट्सएप या मेल कर सकते है।

हमारा उद्देश्य - भारत को में छिपी प्रतिभाओं को बाहर निकलना।

पुष्पांजली टुडे
E-mail - pushpanjalitoday@gmail.com
Whatsapp :- 8269307478,7999246560,9691270207

नोट : मेल करते समय ध्यान रखे भेजने वाला व्यक्ति अपनी फोटो और नाम/पता/व्हाट्सएप अवश्य भेंजे

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478